NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 210 लखनऊ, बुधवार 13 मार्च 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

योगी सरकार के नवनियुक्त मंत्रियों को आवंटित किए गए विभाग

संवाददाता।

लखनऊ योगी सरकार में नवनियुक्त मंत्रियों के विभागों का मंगलवार को बंटवारा कर दिया गया। नए मंत्रियों में ओमप्रकाश राजभर को पंचायती राज, अल्पसंख्यक कल्याण, हज व मुस्लिम वक्फ विभाग का जिम्मा सौंपा गया। वहीं दारा सिंह चौहान कारागार विभाग संभालेंगे। योगी सरकार में नवनियुक्त मंत्रियों के विभागों का मंगलवार को बंटवारा कर दिया गया। नए मंत्रियों में ओमप्रकाश राजभर को पंचायती राज, अल्पसंख्यक कल्याण, हज व मुस्लिम वक्फ विभाग का जिम्मा सौंपा गया। वहीं दारा सिंह चौहान कारागार विभाग

संभालेंगे। पहली बार मंत्री बने सुनील शर्मा को सूचना प्रौद्योगिकी व इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग का दायित्व सौंपा गया है। अनिल कुमार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री होंगे। वहीं योगी मंत्रिमंडल के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति अब नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड विभाग के मंत्री बनाये गए हैं। बता दें कि पांच मार्च को योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ था, जिसमें ओमप्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान, सुनील शर्मा व अनिल कुमार को मंत्री बनाया गया है।

यूपी डीजीपी बोले– प्रदेश में हालात पूरी तरह सामान्य, संवेदनशील जगहों व उपद्रवी तत्वों पर हमारी कड़ी नजर

लखनऊ

नागरिकता संशोधन कानून लागू होने के बाद यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि प्रदेश में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। हालात पूरी तरह सामान्य हैं। संवेदनशील जगहों पर हमारी कड़ी नजर है। देश में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू होने की घोषणा के बाद से ही यूपी में हाई अलर्ट लागू कर दिया गया। पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गईं और छुट्टी पर गए पुलिसकर्मियों को वापस बुला लिया गया है। मंगलवार को प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि प्रदेश में

कानून–व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद है। कहीं से भी कोई अप्रिय घटना की खबर नहीं है।न्होंने कहा कि हमें सीएए लागू होने की जानकारी पहले से ही थी इसलिए हम पहले से ही तैयार थे। इससे जुड़े सभी स्टेक होल्डर्स जैसे धार्मिक नेता, पीस कमेटी, डिजिटल वालंटियर्स और सिविल डिफेंस के लोगों से लगातार वार्ता चल रही थी। उन्होंने कहा कि मैं फिर से स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि सीएए एक ऐसा कानून है जिससे किसी की नागरिकता नहीं जाएगी बल्कि ये नागरिकता देने का कानून है। इसका लाभ उन लोगों को मिलेगा जो कि हमारे पड़ोसी देशों से धार्मिक कारणों से परेशान होकर यहां आए हैं। ऐसे लोगों की संख्या भी बहुत कम है। उन्होंने कहा कि सभी धार्मिक नेताओं ने अधिसूचना जारी होने के बाद सकारात्मक टिप्पणी की है और हम लोग ऐहतियात बरत रहे हैं। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 179 कंपनी पीएसी और 100 कंपनी सीएपीएफ तैनात की गई है। लगातार निगरानी की जा रही हैं। जिलाधिकारी व पुलिस अफसरों की टीम लगातार लोगों से संवाद कर रही है। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। संवेदनशील जगहों व उपद्रवी तत्वों पर लगातार नजर रखी जा रही है। कोई भी व्यक्ति गड़बड़ी करेगा और अशांति फैलाने की कोशिश करेगा

झारखंड के राज्यपाल ने सीएए लागू किये जाने का स्वागत किया

एजेंसी। रांची।

राधाकृष्णन ने कहा कि अवैध प्रवास को रोकना होगा। उन्होंने कहा, ''हमारी आबादी पहले से ही 140 करोड़ है।'' उन्होंने कहा, ''इन सभी जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को देखने के बाद इसे लागू किया जाना चाहिए।''रांची। झारखंड के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने मंगलवार को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के कार्यान्वयन की सराहना की और कहा कि भारत अनाथों का देश नहीं हो सकता है जो किसी को भी उनकी इच्छा के अनुरूप जब

चाहे आने और जाने की अनुमति दे। कानून के विरोध के बारे में संवाददाताओं के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि किसी भी नई चीज पर शुरुआत में सवाल उठाया जाता है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, 'भारत अनाथों का देश नहीं हो सकता, जहां कोई भी आ सके और बाहर जा सके। हमें इसे सुव्यवस्थित करना होगा। यह (सीएए का कार्यान्वयन) उस दिशा में एक अच्छा कदम है।'' राधाकृष्णन ने कहा कि अवैध प्रवास को रोकना होगा। उन्होंने कहा, ''हमारी आबादी पहले से ही 140 करोड़ है।'' उन्होंने कहा, ''इन सभी जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को देखने के बाद इसे लागू किया जाना चाहिए।'' सीएए के कार्यान्वयन के लिए नियमों को सोमवार को अधिसूचित किया गया, जिससे 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से बिना दस्तावेज के भारत आये गैर–मुस्लिम प्रवासियों को देश की नागरिकता देने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

उद्धव के बयान को गडकरी ने बताया अपरिपक्व और हास्यास्पद, भाजपा किसे टिकट देगी, चिंता करने की जरूरत नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली भाजपा में उम्मीदवारों को टिकट देने की एक प्रणाली है। 66 वर्षीय पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने यह विश्वास भी जताया कि पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 400 सीटें जीतेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सत्ता में आएगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के निमंत्रण को अपरिपक्व और हास्यास्पद बताया है। केंद्र की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से ताल्लुक रखने वाले गडकरी अपने गृह राज्य महाराष्ट्र के नागपुर से मौजूदा सांसद हैं, जिन्होंने 2014 और 2019 दोनों आम चुनावों में सीट जीती है। 195 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करने वाली भाजपा की पहली सूची में गडकरी का नाम शामिल नहीं होने के बाद ठाकरे ने उन्हें यह श्प्रस्तावश दिया। सुझाव अपरिपक्व और हास्यास्पद है। भाजपा में उम्मीदवारों को टिकट देने की एक प्रणाली है। 66 वर्षीय पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने यह विश्वास भी जताया कि पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 400 सीटें जीतेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सत्ता में आएगा। लोकसभा चुनाव अप्रैल–मई में होने की संभावना है। महाराष्ट्र 543 सीटों वाली लोकसभा में 48 सदस्य भेजता है, जो उत्तर प्रदेश (80) के बाद सबसे अधिक है। भगवा पार्टी द्वारा अपनी पहली सूची घोषित करने के एक दिन बाद 3 मार्च को एक बैठक में बोलते हुए, शिवसेना (यूबीटी) सुप्रीमो ने पूर्व सहयोगी भाजपा पर हमला बोला। उम्मीदवारों की पहली सूची में काला धन संग्रह करने वाले कृपा शंकर सिंह को जगह मिली है। लेकिन बीजेपी को आगे बढ़ाने में अपनी जान गंवाने वाले नितिन गडकरी के नाम की घोषणा अभी तक नहीं की गई है। दिल्ली को झुकाओ मत, दिल्ली के अहंकार को लात मारो। महा विकास अघाड़ी में आएं, आपको चुनना हमारी जिम्मेदारी है। इसके बाद देवेन्द्र फड़णवीस ने अपने अंदाज में इस ऑफर का जवाब दिया है।

पीएम मोदी ने हरियाणा का मुख्यमंत्री बनने पर नायब सिंह सैनी को बधाई दी

एजेंसी।

नयी दिल्ली। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर नायब सिंह सैनी को बधाई। मैं उन्हें और उनके मंत्रियों की टीम को हरियाणा के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के उनके प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नायब सिंह सैनी को बधाई दी और

राज्य के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर नायब सिंह सैनी को बधाई। मैं उन्हें और उनके मंत्रियों की टीम को हरियाणा के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के उनके प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।'' आगामी लोकसभा चुनाव से पहले हरियाणा की राजनीति में एक नाटकीय घटनाक्रम हुआ। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और कुछ ही देर बाद भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सैनी (54) के साथ ही कंवरपाल गुर्जर, मूलचंद शर्मा, चौधरी रंजीत सिंह चौटाला, जय प्रकाश दलाल और बनवारी लाल ने मंत्री पद की शपथ ली।

आदिवासी संकल्प से आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन की रक्षा करेंगे – मल्लिकार्जुन खरगे

एजेंसी।

नई दिल्ली पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान आदिवासियों के लिए छह सूत्री संकल्प की घोषणा की। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि मोदी सरकार में वन सरंक्षण पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और वन क्षेत्र को मित्र पूंजीपतियों को दिया जा रहा है। नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी आदिवासी संकल्प की गारंटी के माध्यम से आदिवासियों के अधिकारों तथा उनके जल, जंगल, जमीन की रक्षा करेगी। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान आदिवासियों के लिए छह सूत्री संकल्प की घोषणा की। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि मोदी सरकार में वन सरंक्षण पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और वन क्षेत्र को मित्र पूंजीपतियों को दिया जा रहा है। खरगे का कहना था, हम आदिवासियों के जल जंगल जमीन की रक्षा करने की पूरी कोशिश करेंगे और इसे कानून के तहत करेंगे। खरगे ने कहा, वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय मिशन स्थापित किया जाएगा, एक स्पेशल बजट रखा जाएगा और विशेष कार्य योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा वन संरक्षण और भूमि अधिग्रहण अधिनियमों में किए गए सभी संशोधनों को कांग्रेस वापस लेगी, जिनसे आदिवासियों को बड़े पैमाने पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खरगे के अनुसार, कांग्रेस सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उन सभी बस्तियों या बस्तियों के समूहों को अनुसूचित क्षेत्रों के रूप में चिन्हित करने के लिए प्रतिबद्ध है जहां

एसटी सबसे अधिक हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पंचायत प्रावधान (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम (पेसा) के अनुसार राज्यों में कानून बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि ग्राम सरकार और स्वायत्त जिला सरकार की स्थापना हो सके। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा लाया जाने वाला एमएसपी का अधिकार कानून, जो एमएसपी को कानूनी दर्जा देगा वह छोटे वन उपज को भी कवर करेगा। उन्होंने दावा किया, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए बजटीय संसाधनों में संतुलित और पर्याप्त हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए 1970 के दशक के अंत मेंइंदिरा गांधी द्वारा शुरू की गई अनुसूचित जाति और जनजातीय उपयोजना के लिए सब प्लान योजना को 2014 मेंमोदी सरकार द्वारा समाप्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अनुसूचित जाति योजना और जनजातीय उप–योजना को पुनर्जीवित करने और इसे कानून द्वारा लागू करने योग्य बनाने की गारंटी देती है जैसा कि कुछ राज्यों में कांग्रेस सरकारों ने किया है।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार का असर,एसबीआई ने चुनावी बश्वन्ड्स से जुड़ी जानकारी चुनाव आयोग को भेजी

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के एक दिन बाद एसबीआई ने चुनाव आयोग को चुनावी बांड का डेटा सौंपा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने समय बढ़ाने की मांग करने वाली एसबीआई की याचिका को खारिज कर दिया और उसे 12 मार्च को व्यावसायिक घंटों के अंत तक चुनाव आयोग को चुनावी बांड के विवरण का खुलासा करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पोल पैनल को 15 मार्च को शाम 5 बजे तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर चुनावी बांड का विवरण प्रकाशित करने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को दिए अपने फैसले में इसे असंवैधानिक करार दिया था। उसी फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को निर्देश दिया था कि 12 अप्रैल 2019 के बाद से हुई चुनावी बॉन्ड की खरीद से जुड़े डीटेल्स 6 मार्च 2024 तक इलेक्शन कमिशन को सौंप दे। ऐसे में लगभग इस पूरी अवधि के निकल जाने के बाद एसबीआई सुप्रीम कोर्ट के पास 30 जून तक का वक्त देने का अनुरोध लेकर आया। चुनाव आयोग ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 15 फरवरी और 11 मार्च, 2024 के अपने आदेश में शामिल ैठप को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा आज भारतीय चुनाव आयोग को चुनावी बांड पर डेटा प्रदान किया गया है।

सीएए स्वामी प्रसाद बोले– इलेक्शन बश्वन्ड मामले की जवाबदेही से बचने के लिए भाजपा ने जल्दी में लागू किया सीएए

लखनऊ स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून 2021 में पास हो चुका था पर चुनाव के ठीक पहले उस समय लागू किया गया जब सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को इस पर जवाब देना चाहिए। सपा के पूर्व एमएलसी व राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के संस्थापक स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा ने इलेक्टोरल बॉन्ड मामले से लोगों का ध्यान हटाने के लिए जल्दबाजी में नागरिकता संशोधन कानून लागू किया है।उन्होंने

कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से भाजपा ने जो ईमानदारी का चोला पहन रखा था वो उतर गया है। भाजपा को इस पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने इसे एक चुनावी घोटाला करार दिया।स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सीएए कानून 2021 में पास हो गया था पर इसे चुनाव के पहले अब लागू किया गया जब सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड मामले पर सख्त टिप्पणी की है। वो जवाबदेही से बच नहीं सकते उन्हें इसका जवाब देना होगा।

जीत दिलाने की क्षमता ही प्राथमिकता सीएम चेहरे में बदलाव के साथ बीजेपी का स्पष्ट संदेश, जेजेपी के लिए आगे क्या ?

एजेंसी

हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 90 में से 47 सीटें जीतकर आश्चर्यचकित कर दिया, जो 2009 में दो सीटों से एक बड़ी छलांग थी। सीएम खट्टर ने लिए आगे चुनौतियां अपार थी। उनके लिए राज्य से संबंधित सभी जानकारी उनकी उंगलियों पर थी। अंतिम क्षण तक जब खट्टर ने सैनी का नाम प्रस्तावित किया, सीएमओ का एक वर्ग मीडियाकर्मियों को आश्वस्त करता रहा कि वह कहीं नहीं जा रहे हैं। जब दरी पर सोने का जमाना था, तब भी हम साथ थे। उस समय इनके (खट्टर के) पास एक मोटरसाइकिल थी। हमलोग उसी पर सवार होकर हरियाणा भ्रमण करते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि खट्टर मोटरसाइकिल चलाते थे और वह पीछे बैठा करते थे। रोहतक से निकलते थे और गुरुग्राम आकर रुकते थे। गुरुग्राम पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुराने दिनों की याद ताजा करते हुए मनोहर लाल खट्टर की प्रगतिशील मानसिकता के बारे में खुलकर बात की थी, साथ ही उन अच्छे पुराने दिनों को याद किया था। 2014 में मुख्यमंत्री पद के लिए सरल स्वभाव वाले खट्टर एक अप्रत्याशित पसंद थे। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 90 में से 47 सीटें जीतकर आश्चर्यचकित कर दिया, जो 2009 में दो सीटों से एक बड़ी छलांग थी। सीएम खट्टर ने लिए आगे चुनौतियां अपार थी। उनके लिए राज्य से संबंधित सभी जानकारी उनकी उंगलियों पर थी। अंतिम क्षण तक जब खट्टर ने सैनी का नाम प्रस्तावित किया, सीएमओ का एक वर्ग मीडियाकर्मियों को आश्वस्त करता रहा कि वह कहीं नहीं जा रहे हैं।जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के साथ उसके गठबंधन में दरारें पिछले साल 10 लोकसभा सीटों के लिए संघर्ष के बीच दिखाई देने लगी थीं, जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि भाजपा उन सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यन्त चौटाला के नेतृत्व वाली जेजेपी भी इसी तरह का दावा कर रही थी। यह किसी से छिपा नहीं था कि यह आपसी सुविधा का गठबंधन था, साझा विचारधारा का नहीं। जेजेपी का जन्म 2019 के विधानसभा चुनावों से पहले इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) में ऊर्ध्वाधार विभाजन के परिणामस्वरूप हुआ था। उसने 10 विधानसभा सीटें जीतकर खुद को किंगमेकर की भूमिका में पाया। जिस सदन में भाजपा के पास 40 सीटें थीं, उसकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के पास 31, निर्दलीय सात, और इनेलो और हरियाणा लोकहित पार्टी के पास एक–एक सीट थी, वहां जेजेपी की स्थिति निर्णायक थी। इस कवायद में सबसे ज्यादा नुकसान जेजेपी को हुआ है। नई नवेली पार्टी ने खुद को इनेलो के असली उत्तराधिकारी के रूप में पेश किया था और 10 सीटों के साथ भरपूर लाभ उठाया था। लेकिन अब खुद को सत्ता और निर्वाचन क्षेत्र दोनों के बिना महसूस कर रही है। गठबंधन का खत्म होना इनेलो के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है, जो कभी हरियाणा में शासन करने वाली एक मजबूत क्षेत्रीय पार्टी थी। विडंबना यह है कि 2000 के विधानसभा चुनावों में 47 सीटों के साथ जीत हासिल करने के बाद इनेलो ने 1999 में भाजपा के साथ गठबंधन किया था।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 13 मार्च 2024
sheelshukla100@gmail.com

प्रदेश के 2.65 करोड़ ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने का महाभियान चल रहा– मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा की

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर आहूत उच्च स्तरीय बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 'हर घर नल–हर घर जल' के संकल्प के साथ प्रदेश के 2.65 करोड़ ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने का महाभियान चल रहा है। जल जीवन मिशन के प्रारम्भ से पूर्व मात्र 5.16 लाख परिवारों को ही नल से शुद्ध पेयजल की उपलब्धता थी। प्रदेश सरकार के लगातार प्रयास से आज 02 करोड़ 12 लाख से अधिक परिवारों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का सपना साकार हुआ है। शेष घरों को भी पाइप्ड पेयजल की सुविधा समयबद्धता के साथ चरणबद्ध रूप से उपलब्ध करायी जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हर घर नल के माध्यम से जल पहुंचाने की यह योजना ईज ऑफ लिविंग के संकल्प को पूरा होने का सबसे बड़ा उदाहरण है। यह बड़े बदलाव का परिचायक है। यह मोदी जी की गारन्टी है और मोदी जी की गारन्टी यानी गारन्टी के पूरा होने की गारन्टी। पहले बुन्देलखण्ड और विन्ध्य क्षेत्र में शुद्ध पेयजल एक सपना था। आज यह सपना साकार हो रहा है। यह दोनों ही क्षेत्र शीर्ष प्राथमिकता में है। अतिशीघ्र विन्ध्य तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र के हर घर में नल से जल की सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, जालौन, बांदा, चित्रकूट, मीरजापुर, सोनभद्र सहित पूरे बुन्देलखण्ड तथा विन्ध्य क्षेत्र में जल जीवन मिशन का कार्य आखिरी चरण में प्रवेश कर चुका है। अवशेष कार्यों को तेजी के साथ पूरा किया जाए। शुद्ध पेयजल केवल प्यास ही नहीं बुझाता, बल्कि अनेक बीमारियों से सुरक्षित भी रखता है। हमें जल के महत्व को समझना होगा। नुक्कड़ नाटकों'ध्लघु फिल्मों के माध्यम से लोगों को जल के महत्व तथा रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए जागरूक किया जाए। जल संचय के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाए। इस कार्य में पंचायत प्रतिनिधियों का सहयोग लें। जल समितियों को एक्टिव रखा जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन से 100 प्रतिशत संतृप्त गांवों में हर एक घर का पारदर्शिता के साथ सत्यापन होना चाहिए। हमारे लिए प्रत्येक उपभोक्ता की संतुष्टि आवश्यक है। हमें स्थलीय निरीक्षण की व्यवस्था को और अधिक मजबूत करना होगा। हर गांव में प्रशिक्षित प्लम्बर की तैनाती की जाए। गर्मी का मौसम प्रारम्भ हो रहा है। ऐसे में विन्ध्य तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में पेयजल उपलब्ध कराने हेतु वैकल्पिक प्रबन्ध कर लिए जाएं। वर्षा कम होने के कारण जलाशयों में अपेक्षाकृत कम पानी है। हमें समय रहते इसके लिए व्यवस्था कर लेनी चाहिए। गर्मी में किसी भी परिवार को एक भी दिन पेयजल की समस्या नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल परियोजना के कारण जगह–जगह रोड की खुदाई हुई है। कार्यदायी संस्था की यह जिम्मेदारी है कि कार्य समाप्ति के साथ ही सड़क की मरम्मत हो जाए। पेयजल परियोजना के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों के लिए जवाबदेही तय की जाए।

प्रदेश भर में अब तक 16 हजार से ज्यादा बन चुके अमृत सरोवर

लखनऊ (आरएनएस)। जल संचयन, संरक्षण व पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा पानी के बेहतर उपयोग के दृष्टिगत गांवों में तालाबों, व जल स्रोतों को मनरेगा से संवारने का काम उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में किया जा रहा है, यही नहीं इसी दिशा में कार्य करते हुए प्रदेश में विलुप्तप्राय नदियों के पुनरूद्धार का कार्य भी किया जा रहा है। साथ ही साथ मनरेगा से अमृत सरोवरो को बनाने का कार्य जारी है। अमृत सरोवर के निर्माण में उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी राज्य है। अब भी तक देश में सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 16,581 अमृत सरोवरों का निर्माण किया जा चुका है। ग्रामीण इलाकों में अमृत सरोवर का उद्देश्य जल संग्रह के साथ–साथ स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने और आम लोगों को व्यायाम तथा घूमने हेतु स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करना है। तालाबों को अमृत सरोवर के रूप में विकसित करने से जल संग्रह तो होता ही है, संग्रहित जल का किसान उपयोग भी करते हैं। साथ ही इन सरोवरों के निर्माण से ग्रामीणों को टहलने–घूमने और सार्वजनिक स्थल पर बैठने की सुविधा भी उपलब्ध होती है। अमृत सरोवर के पास पौधे लगाने से वृक्षारोपण को भी बढ़ावा मिल रहा है। बात करें संस्कृति को तो स्थानीय त्योहार भी सरोवरों पर मनाए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य की पहल पर अमृत सरोवर विकसित होने से छठ पूजा जैसे त्योहार भी मनाने में महिलाओं को मदद मिली है। अमृत सरोवरों पर राष्ट्रीय पर्व जैसे (स्वतंत्रता दिवस,गणतंत्र दिवस) आदि पर ध्वजारोहण भी किया जाता है। केंद्र सरकार ने मनरेगा के तहत प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवर बनाने का लक्ष्य दिया था। केंद्र द्वारा निर्धारित लक्ष्य 5,625 को 15 अगस्त 2022 को ही प्राप्त कर लिया गया था तथा अब तक 16 हजार से भी ज्यादा अमृत सरोवरों का निर्माण किया जा चुका है। और लगातार अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

जल संरक्षण और संचयन के मकसद से भारत सरकार द्वारा शुरू की गई अमृत सरोवर योजना में उत्तर प्रदेश देश में पहले नंबर पर है। प्रदेश में मनरेगा के तहत अब तक अमृत सरोवर के लिए 24,461 स्थान चिन्हित किए गए हैं। 21,026 चिन्हित स्थानों पर कार्य शुरू हो चुका है, वहीं 16,581 अमृत सरोवर का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। जो कि दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश के अमृत सरोवरों की कुल संख्या (5,647) का दोगुना से भी अधिक है। तीसरे नंबर पर कर्नाटक में अब तक 3,815, चौथे नंबर पर राजस्थान में अब तक 3,085 और 5वें नंबर पर महाराष्ट्र में अब तक 3,013 अमृत सरोवर बनकर तैयार हो चुके हैं। अमृत सरोवर के बड़े पैमाने पर निर्माण से उत्तर प्रदेश में ग्रामीण आबादी के एक बड़े हिस्से को रोजगार भी मिल रहा है। इससे किसानों की सिंचाई की समस्या का समाधान हुआ है और उनकी आय में भी वृद्धि हुई है। राज्य सरकार के मार्गदर्शन एवं विभाग के अथक प्रयास से प्रदेश में तेजी से अमृत सरोवरों का निर्माण हो रहा है। बात करें जिलों की तो प्रदेश में टॉप–3 जनपदों तो अब तक गोरखपुर में 712, महराजगंज में 597 और प्रयागराज में अब तक 522 अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है, जो कि प्रदेश में अमृत सरोवर के निर्माण में अग्रणी जनपद की भूमिका निभा रहे हैं। अन्य जनपदों में भी लक्ष्य के सापेक्ष तेजी से अमृत सरोवर विकसित किए जा रहे हैं।

अयोध्या, गाजीपुर एवं उन्नाव में पीएमजीएसवाई के निर्माणाधीन मार्गों के निर्माण में बाधक वृक्षों के पातन हेतु रू 9 लाख 99 हजार से अधिक की धनराशि की स्वीकृति की गयी प्रदान

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद–अयोध्या, गाजीपुर एवं उन्नाव में पीएमजीएसवाई–।।। के अंतर्गत एफ०डी०आर० तकनीक से निर्माणाधीन मार्गों के निर्माण में बाधक वृक्षों के पातन (कटान,दुलाई इत्यादि) हेतु रू 9,99,419.00 (रुपये नौ लाख निन्यानवे हजार चार सौ उन्नीस मात्र) की धनराशि स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत धनराशि का नियमानुसार सदुपयोग करते हुये पी एम जी एस वाई की सड़कों को निर्धारित समय–सीमा के अन्दर अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए।

चित्रकूट, हापुड, जौनपुर एवं कुशीनगर में पीएमजीएसवाई के निर्माणाधीन मार्गों के निर्माण में बाधक वृक्षों के पातन हेतु 27 लाख 65 हजार से अधिक की धनराशि की स्वीकृति की गयी प्रदान

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद–चित्रकूट, हापुड, जौनपुर एवं कुशीनगर में पीएमजीएसवाई (तृतीय) के अंतर्गत एफ०डी०आर० तकनीक से निर्माणाधीन मार्गों के निर्माण में बाधक वृक्षों के पातन (कटानध्दुलाई इत्यादि) हेतु रू0 27,65,221.00 (रूपये सत्ताईस लाख पैंसठ हजार दो सौ इक्कीस मात्र) की धनराशि स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत धनराशि का नियमानुसार सदुपयोग करते हुये पी एम जी एस वाई की सड़कों को निर्धारित समय–सीमा के अन्दर अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए।

उत्तर प्रदेश समस्त कोषागारों के साथ-साथ सरकारी लेन-देन का कार्य करने वाली सभी बैंक शाखाएँ 31 मार्च, 2024 दिन रविवार को खुली रहेंगी

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश समस्त कोषागारों के साथ–साथ ऐसे बैंकों की सभी शाखाएँ, जो सरकारी लेन–देन का कार्य करतीं हैं वे सभी 31 मार्च, 2024 दिन रविवार को खुली रहेंगी। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार ने आवश्यक आदेश जारी करते हुए समस्त जिलाधिकारियों, समस्त मुख्यवरिष्ठ कोषाधिकारियों को वित्तीय संस्थाओं को आवश्यक व्यवस्था कराने के निर्देश दिये हैं। जारी आदेश के अनुसार दिनांक 31 मार्च, 2024 को रविवार होने के कारण साप्ताहिक अवकाश है। चालू वित्तीय वर्ष 2023–24 समाप्ति की ओर है, जिसके कारण दिनांक 31 मार्च, 2024 को अत्यधिक लेन–देन होना स्वाभाविक है, इसलिये शासकीय कार्य करने वाली समस्त बैंक शाखाओं तथा कोषागारों को 31 मार्च, 2024 को अनिवार्य रूप से खोला जाना आवश्यक है।

खाद्यान्न का मुफ्त वितरण 15 मार्च से 29 मार्च तक

चयनित जनपदों में मक्का, ज्वार, कोदो और बाजरा भी बँटेगा

लखनऊ (आरएनएस)। प्रदेश के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के तहत माह मार्च, 2024 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न, चयनित जनपदों में मक्का, ज्वार, कोदो व बाजरा का निःशुल्क वितरण 15 मार्च से 29 मार्च, 2024 तक सुनिश्चित कराया जाएगा। इसके अलावा अन्त्योदय कार्डधारकों को त्रैमास जनवरी, फरवरी और मार्च के सापेक्ष चीनी का वितरण 18 रूपये प्रति किलो की दर से किया जायेगा। इस संबंध में प्रदेश के खाद्य आयुक्त सौरभ बाबू की ओर से जारी आदेश के अनुसार आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं को मोबाइल ओ0टी0पी0 वैरिफिकेशन के माध्यम से 29 मार्च, 2024 को वितरण सम्पन्न कराया जायेगा।

जयवीर सिंह 13 मार्च को मुख्यमंत्री के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति तथा जनपद प्रभारी मंत्री बरेली श्री जयवीर सिंह कल बुधवार को एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम पर बरेली पहुंच रहे हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार पर्यटन मंत्री लखनऊ से पूर्वाह्न 10 बजे प्रस्थान कर अपराह्न 02 बजे कृष्णा होम्स कालोनी, मिनी बाईपास रोड, बरेली स्थित स्व0 संजीव भारद्वाज बृज क्षेत्र कार्यालय प्रभारी के आवास पर जायेंगे। इसके उपरान्त अपराह्न 03 बजे मुख्यमंत्री के बरेली आगमन पर उनका स्वागत करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री के विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। पर्यटन मंत्री देर रात तक लखनऊ वापस आयेंगे।

नोवा अस्पताल के 15 दिवसीय मुफ्त रीढ़ की हड्डी की सर्जरी एवं परामर्शशिविर का शुभारभ"

सफल एंडोस्कोरपिक रीढ़ की हड्डी की सर्जरी ने रोगी की जीवन गुणवत्ता कोपुनर्स्थापित किया

लखनऊ(आरएनएस),,चिकित्सा विशेषज्ञता और उदारता के एक शानदार प्रदर्शन के दौरान, क्षेत्र केप्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में से एक, नोवा अस्पताल ने इस पखवाड़े के प्रारंभ मेंएक मुफ्त रीढ़ की हड्डी के सर्जरी शिविर का आयोजन किया जो कई व्यक्तियोंके लिए आस्था का प्रकाश साबित हुआ जो रीढ़ से संबंधित बीमारियों से पीड़ितथे। इस शिविर में परामर्श और उपचार जैसी कई सेवाएं शामिल थीं, जो उन लोगों केलिए एक जीवन रेखा साबित हुई जिन्हें पहले चिकित्सा सहायता के लियेआर्थिक सहायता नहीं मिल पा रही थी।शिविर के दौरान 50 से अधिक रोगियों ने मुफ्त बाह्य अस्पताल परामर्श प्राप्तकिया, जिन्हें मूल्यवान चिकित्सा सलाह और उनकी स्थिति के लिए संभावितउपचार विकल्पों को समझने का मौका मिला। रोगियों के द्वारा उठाई गईआर्थिक बोझ को और भी कम करने के लिए, नोवा अस्पताल ने सर्जिकलइंटरवेंशन के लिए भारी अनुदान की भी पेशकश की, जिससे जन साधारण कोअत्यंत ही कम एवं उचित दरों पर यह उपचार मिल सके। शिविर की अविश्वसनीय सफलता का एक चमकदार उदाहरण एक रोगी कामामला था जिसने एंडोस्कोपिक रीढ़ की हड्डी के सर्जरी करवायी, जोकि एकउन्नत और पूर्ण एंडोस्कोपिक रीढ़ की हड्डी की प्रक्रिया रही। पांच वृष पहले रोगीने रीढ़ की हड्डी की सर्जरी कराई थी, लेकिन साइटिका के दर्द का समाधान न होनेके कारण वह अत्यधिक चिंतित था। एक और सर्जरी के लिए डर के कारण, रोगीने नोवा अस्पताल में दूसरी चिकित्सीय राय डॉव अचल गुप्ता से ली और एकसफल सर्जरी कराकर अपनी बीमारी से निजात पाई।इस ऑपरेशन के दौरान विशाखापत्तनम से आए डॉव साई दिलीप एवं अलीगढ़ सेआए डॉव कौशल भी उपस्थित रहे,

परिवहन मंत्री ने आज परिवहन निगम मुख्यालय में 41.16 करोड़ रूपये लागत की 18 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने आज परिवहन निगम मुख्यालय के सभागार कक्ष में परिवहन विभाग एवं परिवहन निगम की 41.16 करोड़ रूपये लागत की कुल 18 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। बस स्टेशन बिन्दकी जनपद फतेहपुर, बस स्टेशन एवं डिपो कार्यशाला शाहगंज जनपद जौनपुर, बस स्टेशन सुजानगंज जनपद जौनपुर, बस स्टेशन ललौली जनपद फतेहपुर, बस स्टेशन हाटा जनपद कुशीनगर, बस स्टेशन डुमरियागंज जनपद सिद्धार्थनगर, डिपो कार्यशाला कुछैछा जनपद हमीरपुर, बस स्टेशन नजीबाबाद जनपद बिजनौर, बस स्टेशन जलेसर जनपद एटा एवं डिपो कार्यशाला इज्जतनगर जनपद बरेली का शिलान्यास एवं बस स्टेशन फरीदपुर जनपद बरेली, बस स्टेशन बछरांवा जनपद रायबरेली, बस स्टेशन महाराजगंज का लोकार्पण किया गया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के धरातल पर आने से प्रदेश की जनता को बहुत सी सुविधाएं मुहैया होंगी। परिवहन निगम मुख्यालय में उन्होंने कमान्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर का फीता काटकर उद्घाटन किया एवं बसों की वास्तविक स्थिति का स्वयं परीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कमान्ड कन्ट्रोल सेन्टर के माध्यम से से बसों की वास्तविक स्थिति प्रदेश के लोगों को मिलेगी। वास्तविक लोकेशन प्राप्त कर किसी आकस्मिक स्थिति में तत्काल सहायता पहुंचाई जा सकती है। कमान्ड कन्ट्रोल सेन्टर को डॉयल 112 से भी जोड़ा जा रहा है। बसों में वीएलटीडी (व्हीकिल लोकेशन एण्ड ट्रेकिंग डिवाइस) के साथ–साथ पैनिक बटन भी लगाया गया है, जिसका उपयोग करने से निगम मुख्यालय स्थित कमान्ड कन्ट्रोल सेन्टर एवं सम्बंधित क्षेत्रीय कन्ट्रोल रूम में पैनिक अलर्ट प्रदर्शित होगा। अब लोगों को अपने परिवारीजनों की यात्रा के दौरान वास्तविक स्थिति की सुरक्षा स्वतः प्राप्त हो सकेगी एवं परिजनों की जानकारी की चिन्ता से भी मुक्ति मिलेगी। परिवहन मंत्री ने इस अवसर पर परिवहन विभाग द्वारा संचालित की जाने वाली महत्वपूर्ण परियोजना रायबरेली स्थित इन्स्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च सेन्टर का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला ऐसा सेन्टर है, जहां ट्रेनिंग, टेस्टिंग के साथ–साथ रिसर्च का भी कार्य किया जायेगा। इस सेन्टर के संचालित होने से प्रदेश को कुशल चालक मिलेंगे एवं मुख्यमंत्री जी की मंशानुरूप सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत तक कमी लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जनपद अयोध्या में डीटीटीआई एवं प्रतापगढ़ में एडीटीटी का लोकार्पण से ड्राइवरों की ट्रेनिंग अब ऑनलाइन हो सकेगी। अब मैनुअल ट्रेनिंग की व्यवस्था धीरे–धीरे समाप्त कर दी जायेगी। उन्होंने कहा कि परिवहन निगम द्वारा लोगों को एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से युक्त सेवाएं मुहैया कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत बस स्टेशनों का उच्चीकरण से लेकर पुर्ननिर्माण तक का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिवहन निगम में 11 बस स्टेशनों को पीपीपी मॉडल पर संवारने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। जल्द ही 11 अत्याधुनिक बस स्टेशन प्रदेश के लोगों को मिलेंगी, जहां पर शॉपिंग मॉल, सिनेमा हॉल जैसे अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में परिवहन निगम में क्रान्तिकारी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। रेवेन्यू में भी लगातार सुधार प्राप्त हुआ है। प्रदेश की इकोनॉमी को 01 ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने में परिवहन निगम का बहुत बड़ा योगदान होगा। परिवहन निगम में नई यूरो–6 मॉडल की अत्याधुनिक बसें चलायी जा रही हैं साथ ही 05 हजार नई इलेक्ट्रिक बसों के आने से प्रदूषणमुक्त एवं आरामदायक सेवा प्रदेश के लोगों को मुहैया होंगी। टेक्नोलॉजी में जितना अधिक सुधार होगा, सुविधाओं में भी उतनी ही बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में परिवहन निगम को देश का नंबर वन परिवहन निगम बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में बलिया, शाहजहांपुर, कुशीनगर में बस स्टेशन का पुर्ननिर्माण का कार्य किया गया है, जिसका लोकार्पण भी हुआ। अयोध्या में लोकार्पित ड्राइविंग, टेस्टिंग एवं ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट के संचालन का कार्य मारूति सुजुकी द्वारा अपने सीएसआर फण्ड द्वारा किया जायेगा। इसके अलावा मारूति सुजुकी की तरफ से 04 अन्य सेन्टरों का भी संचालन सीएसआर फण्ड के माध्यम से किया जायेगा।

उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से चौपट – अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से चौपट है। भाजपा सरकार में इलाज नहीं मिलने से लोग तड़प–तड़प कर मरने को मजबूर हैं। अस्पतालों में स्टाफ की कमी के चलते मरीजों को न दवा मिल पा रही हैं और न हीं इलाज हो पा रहा है। मौसम परिवर्तन के कारण जनता मलेरिया बुखार, टाईफाइड, डेंगू आदि अनेक बीमारियों से परेशान है। स्वास्थ्य सेवाएं वेंटिलेटर पर हैं।सुल्तानपुर में गर्भवती महिला को एम्बूलेंस न मिलने से पिकअप डाले में ले जाना पड़ा, जिससे सीएचसी केन्द्र पहुंचते ही प्रसव हो गया। कभी गवर्नर हाउस के सामने तो कभी अस्पतालों के बाहर गेट पर और गाड़ियों पर प्रसव हो रहे हैं। महिला अस्पतालों में तो अक्सर डॉक्टर रात में अपनी ड्यूटी पर ही नहीं मिलते है। अब तो हालात इतने बिगड़ गए हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों को भी गैरसरकारी अस्पताल मानने को तैयार नहीं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत निजी अल्ट्रासाउंड केन्द्र गर्भवती की मुफ्त जांच के लिए राजी नहीं है। लखनऊ शहर में करीब 200 निजी केन्द्रों पर गर्भवती का अल्ट्रासाउंड होता है। 140 केन्द्र सरकार की योजना में शामिल नहीं हुए हैं।जनता के स्वास्थ्य की राज्य सरकार को कितनी परवाह है इससे स्पष्ट है कि डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में चिकित्सा शिक्षकों के 300 पदों पर भर्ती होनी है। पीजीआई में 1803 पदों पर और सुपर स्पेशलिटी कैंसर संस्थान में 93 विशेषज्ञ शिक्षकों की भर्ती होनी है। भाजपा सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के नाम पर मेडिकल यूनिवर्सिटी बना तो दी पर अभी तक उस यूनिवर्सिटी का विस्तार नहीं हो सका है। आज भी अटल बिहारी मेडिकल यूनिवर्सिटी डॉ0 राममनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के 9वे मंजिल पर गोमतीनगर लखनऊ में चल रही है। समाजवादी सरकार में एक रूपये के पर्चे पर गंभीर रोगों हार्ट, किडनी, कैंसर, लीवर आदि का भी मुफ्त इलाज हो जाता था। प्रसूताओं को अस्पताल लाने–ले जाने के लिए 102 और सड़क दुर्घटना में घायलों के लिए 108 डायल एम्बूलेंस सेवा शुरू की गई थी। भाजपा सरकार में इन एम्बूलेंस सेवाओं की हालत खस्ता है। घंटों इंतजार करने के बाद भी मरीजो, घायलों को एम्बूलेंस उपलब्ध नहीं हो पाती है।

फन रिपब्लिक माल में महिलाओं ने दिखाया अपना हुनर, किया एन्जाय और जीते ढेरों इनाम

लखनऊ(आरएनएस)रू लखनऊ के सुप्रसिद्ध शॉपिंग डेस्टिनेशन फन रिपब्लिक मॉल में महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक शानदार टैलेंट शो का आयोजन किया गया, यह टेलेंट शो तीन दिन का था जिसमे पहले दिन महिलाओं को फ्री मूवी दिखाई गई साथ ही शानदार मेकओवर भी दिया गया, जिससे महिलाएं बेहद खुश थी और उन्होंने इस खास लम्हे को पूरी तरह जिया। दूसरे दिन ऑडिशन एवं सेमी फाइनल था। और आखिरी दिन फाइनल हुआ। इस भव्य इवेंट में 5 श्रेणियों में 250 से अधिक महिलाओं ने प्रतिभाग लिया जोकि काबिले तारीफ है। फन रिपब्लिक मॉल में फिनाले से पहले डांस, फैशन शो, सिंगिंग, स्टाइलिंग के ऑडिशन में विभिन्न श्रेणियों में 250 में से 40 महिलाओं का चयन किया गया। जिन्होंने फिनाले में मनमोहक प्रस्तुति दी। जिनको जज करने के लिए शहर की नामी हस्तियां मौजूद थीं। जिनमे प्रमुख रूप से डा. कौशकी सिंह, डा. नीलिमा दत्त, नीतू यादव(विनर तनिष्क प्राइड्स ऑफ अवध), शिवांगी बाजपेई(विनर ऑफ डांस इंडिया डांस सुपर मॉम), आसमा हुसैन(फेमस फैशन डिजाइनर फ्रॉम लखनऊ), वर्षा श्रीवास्तव(गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर नगर निगम ब्रांड एंबेसडर), तान्या भटनागर(मिस डीवा विनर), दीपिका सिंह(बिजनेस वूमेन चोको टिप्स), अमृत(भरतनाट्यम गुरु इंटरनेशनल अवार्डेड), नंदिनी मोटवानी(लखनऊ मास्टर शेफ) मौजूद थीं।सभी 40 प्रतिभागियों ने शानदार परफॉर्मेंस कर सभी जजेस और पब्लिक का दिल जीत लिया और अंत में सभी प्रतिभागियों में से 9 प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया। जोकि वाकई में जजेस के लिए काफी कठिन था। परफॉर्मेंस की बात करें तो फैशन शो में तनिष्का, सृष्टिका, अरेमा। सिंगिंग में हर्षिता, सिदरा। डांस मे खुशी,सान्या जबकि मेकओवर में बबीता और दर्शिका ने खिताब अपने नाम किया। तीन विजताओं को पांच हजार कैश एवं गिफ्ट हैंपर्स दिए गए।

शौचालयों पर है गुरु जी का कब्जा, लटका रहता है ताला

बेसिक विद्यालयों में बच्चो को शौच के लिए जाना पड़ता है बाहर अधिकांश बेसिक विद्यालयों के शौचालय हैं निष्प्रयोज्य

रायबरेली (आरएनएस)। बेसिक विद्यालयों में जाने वाले अधिकांश बच्चो को शौच के लिए जाना हो तो बाहर का रास्ता चुनना पड़ता है। इस स्थित में बच्चे शर्मिंदा होते हैं। खासकर बच्चियों को काफी असुविधा होती है। हालत ये है की कुछ गुरु जी ने भी इन शौचालय पर अपना कब्जा ताला मार कर जमा रखा है।जिले के 2299 बेसिक विद्यालयों में बने शौचालयों का प्रयोग न के बराबर किया जा रहा है। अधिकांश शौचालय निष्प्रयोज्य है इतनी गंदगी है की इनका प्रयोग नही हो रहा।हद तो यह है की कुछ शौचालय जो प्रयोग में हैं उन पर गुरुओं ने कब्जा कर रखा है। बच्चो को अगर शौच पर जाना हो तो बाहर का रास्ता देखना पड़ता है। परिषदीय विद्यालयों में ज्यादातर शौंचालय या तो गंदगी से पटे पड़े हुए हैं या उनमें ताले लटके हुये हैं । इसके पीछे शिक्षकों की उदासीनता बतायी जा रही है स एक तरफ सरकार स्वच्छ भारत मिशन के तहत से देश को खुले में शौंच से मुक्त बनाने के लिए दिन–रात एक किये हुये है वहीं दूसरी ओर समाज के दर्पण कहे जाने वाले शिक्षक ही अभियान को पलीता लगा रहे हैं । कहने को प्राथमिक विद्यालय में बच्चों और बच्चियों के लिए अलग अलग शौचालय बनवाये गए हैं लेकिन प्रयोग में कितने हैं इनकी सफाई की क्या व्यवस्था है। यह कोई देखने वाला नही है। इन शौचालयों में सफाई का अभाव है इसके अलावा स्कूलों में ज्यादातर शौचालय रखरखाव के अभाव में निष्प्रयोज्य पड़े हुए हैं स ग्रामीणों का कहना है कि शौंचालयों के निर्माण मे मानकों की अनदेखी की गयी जिससे स्कूलों में शौंचालय होने के बावजूद बच्चों को शौंच के लिए बाहर जाना पड़ता है स इससे कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं स तीन साल पहले शिवगढ़ क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मठ मजरे दहिगवां में बाहर शौंच के लिए गयी एक बच्ची नाले में डूब गयी थी जिसका शव दो दिन बाद जलकुंभी मे दबा पाया गया था।

मजदूर की हत्या कर खेत में फेंका शव परिजनों ने जताई आशंका

शिवगढ़,रायबरेली (आरएनएस)।गंगाखेडा मजरे बहादुर नगर में घर से 200 मीटर की दूरी पर शटरिंग का कार्य करने वाले मजदूर का शव के खेत में मिलने से हड़कंप मच गया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। परिजनों का कहना है की हत्या कर शव को खेत में फेंका गया है।सोमवार को गंगाखेडा मजरे बहादुरनगर का रहने वाला सहजराम जो की शटरिंग का कार्य करता था गांव के से 2 किलोमीटर की दूरी पर भुजई खेड़ा में उसका शटरिंग का काम चल रहा था रात करीब 11रू00 बजे व शटरिंग का सामान लेने घर आया शटरिंग का सामान लेकर वही चला गया रात करीब 2रू00 बजे वहां कार्य कर रहे कुछ मजदूर उसके घर आए कुछ सामान और लेकर गए। सुबह पता चला कि सहजराम जहां शटरिंग का काम चल रहा है वहां पर नहीं है।तभी से परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दी मंगलवार सुबह 9रू00 बजे घर से 200 मीटर की दूरी पर सुखई के सरसों के खेत मृतक का शव पड़ा था।मृतक के दोनों पर हाथ पैर उसके लोअर में लगे नाड़े से बंधे हुए थे व मुफलर गले को पूरी तरह से कस दिया गया था।सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया हत्या लग रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चल पाएगा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 13 मार्च 2024
sheelshukla100@gmail.com

गायन प्रतियोगिता में सी. एम.एस. छात्र ध्येय को प्रथम पुरस्कार

लखनऊ, 12 मार्च। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज द्वितीय कैम्पस के नर्सरी के प्रतिभाशाली छात्र ध्येय सिंह ने इण्डियन गोल्डेन वाइस (सीजन–9) के अन्तर्गत आयोजित गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रतियोगिता में देश भर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी. एम.एस. के इस प्रतिभाशाली छात्र ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर निर्णायक मंडल को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता के आयोजकों ने ध्येय की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. के इस प्रतिभाशाली छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की है, साथ ही विद्यालय की प्रधानाचार्या व शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सी.एम.एस. अपने छात्रों को भौतिक, सामाजिक व आध्यात्मिक शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही साँस्कृतिक व साहित्यिक क्षेत्रों में भी छात्रों का रुझान विकसित करता है तथापि उनकी क्षमता को पहचानकर उन्हें प्रोत्साहित करता है। यही कारण है कि सी. एम.एस. छात्र पढ़ाई में तो अव्वल रहते ही हैं साथ ही साथ गीत–संगीत, नृत्य, साहित्य व कला जैसे क्षेत्रों में भी विद्यालय के छात्रों ने अलग पहचान बनाई है।

भाजपा का यह चुनावी शगूफा है सीएए कानून - अनीस मंसूरी

लखनऊ रूपसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी ने कहा कि बी.जे.पी ने राजनैतिक फायदा लेने की कोशिश में और सुप्रीम कोर्ट के एसबीआई को 24 घंटे के भीतर चुनावी बॉन्ड का पूरा ब्यवरा देने के आदेश को टाल मटोल करने के आनन फानन में सीएए कानून को लागू कर दिया।अनीस मंसूरी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा सीएए कानून लागू किये जाने पर मुसलमानो को घबराने की जरुरत नहीं है। यह कानून नागरिकता देता है छीनता नहीं है, इस से मुसलमानों का लेना देना नहीं है, यह कानून भारत सरकार बहुत पहले लेकर आयी थी और लागू करना चाहती थी लेकिन सरकार 2024 के लोकसभा चुनाव का राजनैतिक लाभ लेने के लिए इंतिजार कर रही थी।अनीस मंसूरी ने कहा कि भारतीय संविधान में लिखा है कि देश में किसी भी धर्म के शरणार्थीयों को नागरिकता दी जा सकती है, सरकार को संविधान की इस बात पर विचार करना चाहिए।अनीस मंसूरी ने कहा कि सीएए पर देश भर से आई आपत्तियों का समाधान नहीं किया और अपने राजनैतिक लाभ के लिये लागू कर दिया है यह देश के लिए विभाजनकारी है और नागरिकता धर्म या राष्ट्रीयता पर आधारित नहीं होना चाहिए।

फरियादी की कार का शीशा तोडकर चार लाख चोरी ,एसएसपी से मिलने आया था पीडित

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) एसएसपी आवास पर फरियाद लेकर आये बिल्डर की कार का शीशा तोडकर अज्ञात चोर बैग निकाल ले गये। जिसमें करीब चार लाख रूपये थे। सुबह करीब साढे दस बजे एसएसपी आवास के ठीक सामने हुई घटना से हड़कंप मच गया। आनन फानन में पुलिस टीमों का गठन कर घटना का खुलासा करने के लिए लगा दिया गया। एसपी सिटी अरविंद कुमार ने बताया कि एक गाडी आई थी, उसकी साइड का शीशा तोड़कर बैग ले गये हैं। पुलिस ने तत्काल सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्यवाही की। हाइवे क्षेत्र में वह बैग मिल गया है। टीमें लग गई हैं जल्द ही मुल्जिम गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। पीडित दीपक गुप्ता ने बताया कि एसएपी ने मिलने आये थे। वह फरीदाबाद से गाडी से यहां आये थे। गाडी खड़ी कर वह एसएसपी से मिलने चले गये। इसी बीच सीसा तोड कर बैग निकाल लिया गया। बैग में करीब चार लाख रुपये रखे थे जिससे लेबर और स्टाफ की पेमेंट करनी थी। एसएसपी आवास के बाहर जो संतरी खडे हैं उन्हें भी बोलकर गया था कि सामने गाड़ी खड़ी है ध्यान रखना, चालक अभी पंचर लगवाने के लिए गया है। इसके बाद भी यह घटना हुई है, यहा बडे आश्चर्य की बात है। रुकमणी बिहार में एक प्रोजेक्ट बना रहे हैं। जहां काम चल रहा है वहां कुछ गुंडे हैं वह जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। गाडी खडी कर लेबर के साथ मारपीट कर रहे हैं। छह तारीख का मामला है अब तब सभी थाने में घूम आये लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। एसएसपी ने कार्यवाही का आश्वासन दिया है। दीपक गुप्ता के साथ आये कार चालक भीम सिंह ने बताया कि एसएसपी के साथ मीटिंग थी। वह गाडी में पंचर लगवाने गया था, पीछे से किसी ने आकर कांच तोड़कर बैग निकाल लिया। सूट केस में साहब का कुछ जरूरी सामान था।

सीएए पर बांटी मिठाई, खुशी मनाई

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) सीएए को लेकर लोग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। श्री कृष्ण जन्मभूमि का केस लड़ रहे फलाहारी दिनेश शर्मा ने कहा कि बहुत ही खुशी का समय है। केन्द्र सरकार द्वारा बहुत बड़ा फैसला लिया गया है। जिससे सभी सनातन हिंदू गदगद हो गए हैं। पूरे देश में मिठाई वितरण करके खुशी का इजहार किया जा रहा है। ऐसा अवसर बार बार नहीं आएगा उन्होंने कहा कि विदेशों में रहने वाले अल्पसंख्यक को विदेश में प्रताड़ित किया जा रहे हैं उन सभी को भारतीय नागरिकता दिलाई जाएगी। मोदी सरकार के इस फैसले से संपूर्ण भारत में दिवाली की तरह उत्सव मनाया जा रहा है। आज मथुरा में भी सभी ब्रजवासियों ने श्री कृष्ण जन्मभूमि पर मिठाई खिलाकर एक दूसरे को खुशी का इजहार किया था।

भारत के विकास की गति को रफ्तार, एक बार फिर मोदी सरकार देवाशीष देव - मीडिया प्रभारी भाजपा

ओबीसी मोर्चे का सामाजिक सम्मेलन संपन्न

ऐशबाग लकड़ी मंडी स्थित श्री दुर्गेश्वर महादेव मंदिर में ओबीसी मोर्चे द्वारा सामाजिक सम्मेलन के अंतर्गत एक बैठक का आयोजन किया गया स बैठक का संचालन मीडिया प्रभारी देवाशीष देव द्वारा किया गयास बैठक में मुख्य रूप से श्री ज्ञान प्रकाश गुप्ता नगर उपाध्यक्ष, दीपू जयसवाल नगर सह मीडिया प्रभारी ओबीसी मोर्चा, बबीता सक्सेना नगर मंत्री, जानकी सिंह, आरती वर्मा नगर मंत्री, दिलीप वर्मा मंडल अध्यक्ष, अमित शर्मा मंडल अध्यक्ष, सुरेश यादव उपाध्यक्ष, रमेश यादव मंत्री, मानस उपाध्यक्ष, दीपक तिवारी मुन्ना तिवारी, विजय राजपूत,सोनू एवं भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे स पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया बैठक में आगामी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को भारी बहुमत से विजयी बनाने के बारे में विचार विमर्श किया गया स मीडिया प्रभारी देवाशीष देव ने कहा कि पुनरू भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाना है और मोदी जी को पुनः प्रधानमंत्री बनाना है स इसके अलावा भाजपा द्वारा चलाई गई अनेक योजनाओं के बारे में श्री ज्ञान प्रकाश गुप्ता द्वारा बताया गया

सांसद हेमा मालिनी का कोटवन बॉर्डर हुआ जोरदार स्वागत

मथुरा। लोकसभा सीट पर तीसरी बार मथुरा से भाजपा प्रत्याशी घोषित हुईं सांसद हेमा मालिनी कोटवन बार्डर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। मथुरा से प्रत्याशी बनाये जाने की पार्टी की घोषणा के बाद सांसद हेमा मालिनी मथुरा पहुंची। भाजपा की पहली सूची में नाम आने पर सांसद हेमा मालिनी व मथुरा जिले के सभी भाजपा कार्यकर्ता में खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। भाजपा कार्यकर्ता हेमा मालिनी के स्वागत के लिए कोटवन मुनि जी रेस्टोरेंट पहुंचे। सांसद को फूल माला, तस्वीर भैंट कर जोशीला स्वागत किया गया।

रमजान, होली त्योहार को लेकर हुई पीस कमेटी की बैठक , शामिल हुए सभी समुदाय के लोग

मथुरा। आगामी रमजान व होली के त्योहार को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने को लेकर पीस कमेटी के बैठक गोवर्धन तहसीलदार व सीओ के निर्देशन में थाना परिसर में आयोजित की गई। बैठक में कस्बा के गणमान्य नागरिकों के साथ साथ नगर पंचायत व ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि व व्यापारी शामिल हुए। सीओ गोवर्धन आलोक सिंह ने कहा कि आगामी रमजान व होली का पर्व आपसी भाईचारे व सद्भावना के साथ मनाएं। किसी प्रकार की अपवाह व झगड़े की सूचना पुलिस को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि परिक्रमा मार्ग गोवर्धन व बरसाना में नकली गुलाल बनाने वाले व बेचने वालों पर कार्यवाही करने के लिए पुलिस की टीम गठित की गई है। ऐसे लोगों के खिलाफ छापामार कार्यवाही कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर श्रीपाद रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी राधाकुंड के पीठाधीश्वर महंत केशव दास जी महाराज, चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लंबरदार, व्यापारी नेता गनेश पहलवान आदि से सुझाव भी मांगे। बैठक में जहाँ एक ओर मन्दिर व धार्मिक पीठ से सन्त महन्त शामिल हुए तो दूसरी ओर मस्जिद व ईदगाह से इमाम भी शामिल हुए। इस अवसर पर गोवर्धन तहसीलदार मनीष कुमार, पीठाधीश्वर महंत केशव दास जी महाराज, थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्र, राधाकुंड चौकी प्रभारी शैलेन्द्र शर्मा, चेयरमैन प्रतिनिधि गोवर्धन मनीष लंबरदार, व्यापार मण्डल से संजू लाला, गणेश पहलवान, मोहम्मद उमर फारूकी, राधाकुंड चेयरमैन रामफल, देव सूर्यवंशी, गौरव कौशिक,कपिल सेठ, भाजपा मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, ब्रजो मेम्बर, रामधन शर्मा,आदि मौजूद रहे।

सीएए लागू कर प्रधानमंत्री मोदी ने साबित कर दिया वह दूसरी मिट्टी के बने हैं: सौरोत

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) तकनीकी तौर पर सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए से सिटीजनशिप एक्ट ऑफ 1955 में संशोधन किया गया है। इससे होगा ये कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए उन लोगों को नागरिकता मिल जाएगी जो 31 दिसम्बर 2014 से पहले किसी न किसी तरह की प्रताड़ना से तंग होकर भारत आए थे। सीएए को लेकर लोग अपनी तरह से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मथुरा में सीएए को चौतरफा समर्थन मिल रहा है। लोग जगह जगह मिठाई बांटकर सरकार के इस फैसले का पर खुशी जता रहे हैं। सामाजिक मुद्दे पर मुखर रहने वाली समाजसेविका सविता सिंह सौरोत शुरू से ही सीएए के संशोधित प्रारूप का समर्थन करती रही हैं। सीएए को लेकर देश में कई जगह जब मुखर विरोध हुआ था तब भी सविता सिंह सौरोत ने इसका जोरदार स्वागत किया था। मथुरा और आसपास के क्षेत्रों में कानून के समर्थन में होर्डिंग बैनर लगवाये थे। जगह जगह नुक्कड सभाएं की थीं और इस बात के लिए लोगों को यथासामर्थ्य मानसिक तौर पर तैयार किया था कि किसी की बातों में न आएं और कानून के तकनीकी और मानवीय पहलुओं को खुले दिमाग से समझें। श्रीमती सौरोत ने बताया कि सीएए पास जब संसद से पास हुआ था तब भी होर्डिंग लगातार कर प्रदेश भर में स्वागत किया था। उन्होंने कहा कि हमें राजनीति से अलग हट कर उन लोगों के दर्द को महसूस करना होगा जो दूसरे देशों में सिर्फ इस लिए प्रताड़ित किये गये कि वह हिन्दू हैं। जब वह भारत को अपना देश मानकर यहां आए तो यहां भी उनकी मुश्किलें कम नहीं हुईं। लम्बे समय से उन्हें उपेक्षित जीवन भारत की धरती पर भी जीना पड रहा था। अब ऐसा नहीं होगा। इन लोगों को भी जीने के वही तमाम अवसर मिलेंगे जो आम भारतीय नागरिक के हिस्से में आते हैं। मोदी सरकार ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह हमेषां जनहित के फैसले लेते हैं और जब फैसला लेते हैं तो किसी की परवाह नहीं करते हैं। उन्होंने साबित कर दिया है कि वह दूसरी मिट्टी के बने हैं। सविता सिंह सौरोत ने कहा कि कानून लागू होने के बाद एक बार फिर वह अभियान के तहत लोगों को इन कानूनों की सूची जानकारी देने के लिए लोगों के बीच जाएंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनहित में लगातार किये जा रहे कार्यों की उन्हें जानकारी देंगी।

जनसुनवाई में नगर आयुक्त ने सुनी समस्याएं,पहुंची कुछ छह शिकायत

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) नगर निगम की जनसुनवाई के दौरान मंगलवार को कुल छह शिकायत प्राप्त हुईं, जिनमें तीन शिकायत सफाई से संबंधित थीं। इन शिकायतों का निस्तारण टीम को भेजकर तत्काल करा दिया गया। शेष लंबित तीन शिकायतों के निस्तारण के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान नगर आयुक्त शशांक चौधरी खुद जनरलगंज स्थित नगर निगम सभागार में मौजूद रहे और पीड़ितों की शिकायतों पर संज्ञान लिया। इसके अलावा जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने शिकायत का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत कराया जाने के भी निर्देश दिये। इस दौरान अनिल कुमार अपर नगर आयुक्त, राकेश कुमार त्यागी सहायक नगर आयुक्त, कल्पना सिंह चौहान सहायक नगर आयुक्त, शिव कुमार गौतम मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, राम कैलाश अधिशासी अभियंता जल, शशांक सिंह सहायक अभियंता सिविल, जितेंद्र सिंह क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

विशेष शिविर के दूसरे दिन हुई पोस्टर प्रतियोगिता

झांसी!गुरसराय जगदीश सिंह यादव नंदकिशोर मोदी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम द्वितीय तृतीय के विशेष शिविर के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु हुई इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट पोस्टर बनाएं इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है ग्लोबल वार्मिंग का खतरा जबकि पूरे विश्व पर मंडरा रहा है ऐसे में युवाओं को पर्यावरण सुरक्षा के लिए आगे आना होगा इस अवसर पर अनूप कुमार अवस्थी रश्मि गुप्ता यशिका सोनी सुनील पाल अनुराग कुशवाहा पुष्पा मोहिनी सहित समस्त स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

अनूप बिन्दल की बीस दिनों की पैदल यात्रा पूरी , लौटने पर किया अभिनंदन

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता झांसी! मानव विकास संस्थान व सनशाइन क्लब झांसी के द्वारा झांसी से खाटू श्याम जी तक पैदल यात्रा कर लौटे संस्थापक सदस्य अनूप बिंदल जी के आज इक्कीसवें दिन सकुशल घर वापिसी पर आज नागरिक अभिनन्दन किया गया। ढोल नगाड़े संग उनके सकुशल लौट कर आने पर सभी ने मालायें पहना कर उनका व सभी साथियों के भव्य स्वागत किया गया।इस अवसर पर आयोजित अभिनन्दन समारोह में संस्थान के राष्ट्रीय कन्वीनर अशोक अग्रवाल काका सनशाइन क्लब के संस्थापक , प्रमोद अग्रवाल , संजय कानोडिया , दिनेश अग्रवाल, त्रिलोकी नाथ अग्रवाल, विशाल गुप्ता , कुमार बिपिन अग्रवाल , संजीव अग्रवाल भेल यूनियन के अध्यक्ष उमेश प्रजापति , गोयनका पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या पूजा मलहोत्रा , अजय सिंह राठौर , अर्चना बिंदल , पार्षद कन्हैया कपूर , राम रतन बिंदल , वैभव बिंदल , प्रदीप चतुर्वेदी , देवांश बिंदल , मनीष बिंदल , नारंगी अग्रवाल , विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष मोहित परिहार,उषा अग्रवाल , अशोक देव , झोकन बाग व्यापार मण्डल अध्यक्ष जय किशन प्रेमानी के अतिरिक्त सम्भ्रांत नागरिक गण उपस्थित रहे।सभी के प्रति आभार खाटू श्याम प्रेमी गण की ओर से कुमार बिपिन अग्रवाल ने व्यक्त किया।

मिशन शक्ति कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा व्याख्यान का आयोजन किया गया

झांसी! आज दिनांक 12 मार्च 2024 को शारदा देवी डिग्री कॉलेज राजगढ़ में 'मिशन शक्ति कार्यक्रम' और राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले बालिका सशक्तीकरण पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा हेतु संचालित हेल्पलाइन नंबर्स, विविध योजनाएं और साईबर जागरूकता के टिप्स दिए गए। कार्यक्रम में सीओ सदर स्नेहा तिवारी द्वारा मुख्य वक्तव्य दिया गया। थाना प्रेमनगर से हल्का उप निरीक्षक वीरेंद्र यादव और आरक्षी सिल्की राठौर व अन्य उपस्थित रहे। छात्रों द्वारा पुलिस की कार्य प्रणाली से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए। साथ ही स्टूडेंट पुलिस एक्सपेरिएण्टियल लर्निंग प्रोग्राम का भी फीडबैक प्राप्त किया गया। कॉलेज के प्रधानाचार्य व अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 13 मार्च 2024
sheelshukla100@gmail.com

संपादकीय

कहने की जरूरत पड़ी!

टिप्पणियां साधारण इस लिहाज से हैं कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में– जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार हो– इन्हें कहने की जरूरत नहीं पडनी चाहिए। मगर आज हालात ऐसे हैं कि ऐसे मामले सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बीते हफ्ते दो साधारण बातें कहीं, लेकिन वो अखबारों में प्रमुख सुर्खियां बनीं। ये टिप्पणियां साधारण इस लिहाज से हैं कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में– जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार हो– इन्हें कहने की जरूरत नहीं पडनी चाहिए। मगर आज देश के हालात ऐसे हैं कि ऐसे मामले सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच जाते हैं और अंततरू कोर्ट को संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या करनी पड़ती है। पहली टिप्पणी संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने की आलोचना से संबंधित थी। एक प्रोफेसर ने इस कदम की आलोचना की थी।उन्होंने कहा था कि जिस रोज ये कदम कदम उठाया गया, वह एक ष्काला दिनष था। दूसरी टिप्पणी पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस पर उसे बधाई दिए जाने से संबंधित थी। कोर्ट ने कहा कि किसी दूसरे देश को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देने के पीछे दुर्भावना की तलाश नहीं की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा– श्हर भारतीय नागरिक को जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को रद्द करने की आलोचना करने का अधिकार है। जिस रोज ये अनुच्छेद रद्द किया गया, उसे काला दिन बताना प्रतिरोध की भावना और रोष की अभिव्यक्ति है।अगर राज्य की हर आलोचना या प्रतिरोध ा को धारा 153–ए के तहत अपराध ठहराया जाएगा, तो लोकतंत्र– जो संविधान की अनिवार्य विशेषता है– टिक नहीं पाएगा।च कोर्ट ने अपनी दूसरी टिप्पणी में कहा कि पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस 14 अगस्त को कोई भारतीय नागरिक शुभकामना देता है, तो इसमें कुछ गलत नहीं है। यह सद्भावना का इजहार है। वह नागरिक किसी खास मजहब से संबंधित हो, इसलिए ऐसी अभिव्यक्ति के पीछे दुर्भावना की तलाश नहीं की जानी चाहिए। जाहिर है, अभियुक्त मुस्लिम थे, जिन पर सांप्रदायिक द्वेष फैलाने का इल्जाम लगा दिया गया था। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया है। लेकिन आज ऐसी घटनाएं इक्का–दुक्का भर नहीं हैं। और ऐसे मामले में इंसाफ के लिए सुप्रीम कोर्ट तक जाना पड़ता है, यही आज के सूरत–ए–हाल को बताता है। यह विचारणीय है कि भारत इस मुकाम तक कैसे पहुंचा? बिना इसी तह में गए, समाधान का रास्ता निकलने की संभावना धूमिल बनी रहेगी।

भारत अब डेमोक्रेसी नहीं?

वी–डेम के 179 देशों के सूचकांक में भारत को 104वें पायदान पर रखा गया है। संस्था के मुताबिक 2013 के बाद भारत में तानाशाही प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। वह उन 10 देशों में शामिल हो गया है, जहां ये प्रवृत्ति सबसे तेजी से बढ़ी है।

अंतरराष्ट्रीय संस्था– वेराइटी ऑफ डेमोक्रेसीज (वी–डेम) ने दोहराया है कि भारत अब लोकतंत्र नहीं है। उसने भारत को निर्वाचित अधिनायकतंत्र की श्रेणी में 2018 में ही रख दिया था। उसके बाद से वी–डेम के सूचकांक में भारत का दर्जा और गिरा ही है। इस बीच लोकतंत्र की सूरत पर रिपोर्ट तैयार करने वाली अमेरिकी संस्था फ्रीडम हाउस भारत को आजाद देशों की श्रेणी से गिराकर उसे आंशिक आजादी वाले देशों की श्रेणी में रख चुकी है।

वी–डेम ने इस वर्ष अपने सूचकांक में 179 देशों को शामिल किया है। उनके बीच भारत को 104वें पायदान पर रखा गया है। संस्था ने कहा है– 2013 के बाद भारत में तानाशाही प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। इस तरह वह उन देशों में शामिल हो गया है, जहां हाल के समय में तानाशाही सबसे तेजी से बढ़ी है। इस रूप में भारतीय लोकतंत्र उस जगह पहुंच गया है, जहां 1975 में था– यानी जब देश में इमरजेंसी लागू हुई थी।

वी–डेम ने कहा है कि इस समय दुनिया में तानाशाही प्रवृत्ति बढने की लहर आई हुई है। यह प्रक्रिया 42 देशों में चल रही है, जहां की कुल आबादी दो अरब 80 करोड़ हैं– यानी जहां दुनिया की कुल आबादी का 35 प्रतिशत हिस्सा रहता है। दुनिया की 18 फीसदी आबादी भारत में है। इस तरह जो आबादी बढ़ रही तानाशाही प्रवृत्ति वाले देशों में है, उनका आधा हिस्सा भारत में मौजूद है। भारत की वर्तमान सरकार ऐसी रिपोर्टों को तव्वजो नहीं देती (या कम–से–कम वह ऐसा करने के संकेत ही देती है)। सार्वजनिक बयानों में वह इन्हें भारत विरोधी सोच से प्रेरित करार देती है।मगर यह बात अवश्य याद रखनी चाहिए कि भारत की पहचान अगर एक लोकतांत्रिक देश की बनी, तो वह उन पैमानों पर बेहतर सूरत की वजह से ही बनी, जिनको लेकर वी–डेम या फ्रीडम हाउस जैसी संस्थाएं सूचकांक बनाती हैं। अब इन कसौटियों पर भारत का दर्जा गिर रहा है, तो इसके लिए उन संस्थाओं की कथित दुर्भावना को कारण मानना अतार्किक होगा। वैसे भी जो बातें वो संस्थाएं कह रही हैं, वैसा ही अनुभव बहुत सारे भारतवासियों का भी है।

भाजपा के इस दांव में खतरे भी

लेकिन क्या भाजपा इस दांव में कामयाब हो पाएगी? कई बार इस तरह के दांव उलटे पड़ते हैं। कई बार कमजोर के प्रति सहानुभूति होती है। बिहार, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में तो डबल इंजन की डबल एंटी इन्कम्बैंसी हो सकती है। बिहार में जनता दल यू को साथ लेने के बाद भाजपा का पुरानी और छोटी सहयोगी पार्टियों से तालमेल बिगड़ा है क्योंकि उनको देने के लिए भाजपा के पास सीटें कम हैं।

दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन की पार्टियों में बेहतर तालमेल बना है। ध्यान रहे पिछली बार किशनगंज सीट पर मुकाबला इस वजह से था कि ओवैसी की पार्टी के उम्मीदवार को करीब तीन लाख वोट मिल गए थे। इस बार ऐसा होने की संभावना बहुत कम है। इसलिए किशनगंज सीट पर कांग्रेस या विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार के जीतने के चांस ज्यादा हैं। इसी तरह सीमांचल की अनेक सीटों पर और पिछली बार कांटे की टक्कर वाली यादव बहुल सीटों पर भी मुकाबला आसान नहीं है।

पप्पू यादव के साथ आने से सीमांचल का गणित अलग ढंग से बन रहा है। सीमांचल में पूर्णिया से लेकर अररिया, किशनगंज, सुपौल, मधेपुरा, खगडिया, कटिहार तक पटना में पाटलिपुत्र और मगध में जहानाबाद जैसी सीटों पर कांटे का मुकाबला है।

झारखंड में सिंहभूम सीट पर कोड़ा परिवार की मदद से भाजपा ने अपनी स्थिति मजबूत की है लेकिन यह इस बात की गारंटी नहीं है कि वह पिछली बार की तरह 14 में से 12 सीट जीत जाए। पिछली बार तीन सीटों पर कांटे की टक्कर हुई थी। लोहरदगा में कांग्रेस नौ हजार और खूंटी में डेढ़ हजार वोट से हारी थी। दुमका में शिबू सोरेन भी 30 हजार के करीब वोट से हारे थे। इन सीटों पर इस बार भाजपा के लिए लड़ाई आसान नहीं है। इसके अलावा लहर के बावजूद पिछले दोनों चुनावों में भाजपा राजमहल सीट नहीं जीत पाई। ऐसा लग रहा है कि चार से छह सीटों पर विपक्षी गठबंधन बहुत मजबूत है।

शास्त्रीय राजनीति के नजरिए से देखें तो ओडिशा में भाजपा ने वह गलती की है, जो पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने और केरल में कांग्रेस व लेफ्ट मोर्चा ने नहीं की। ओडिशा में बीजू जनता दल और भाजपा सत्तारूढ़ व मुख्य विपक्षी पार्टी हैं। उनके साथ आ जाने से विपक्ष का पूरा स्पेस कांग्रेस के लिए खाली हो गया। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 13 फीसदी वोट वाली पार्टी थी,

इस बार लोकसभा चुनाव में राजस्थान में खाली हाथ नहीं रहना चाहती कांग्रेस पार्टी

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट को टोंक–सवाई माधोपुर सीट से चुनाव मैदान में उतर जाएगा। पायलट अभी टोंक से विधायक हैं तथा पूर्व में दौसा व अजमेर से सांसद रह चुके हैं। कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में राजस्थान के लिए अभी किसी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है। जबकि भाजपा ने 25 में से 15 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। कांग्रेस चुनाव समिति की तरफ से अभी तक देश भर में कुल 39 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई है। आने वाले एक–दो दिनों में कांग्रेस पार्टी द्वारा कई अन्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की जाने वाली है। जिसमें राजस्थान के प्रत्याशियों के नाम भी शामिल होने की बात कही जा रही है। राजस्थान में प्रत्याशियों के नाम की घोषणा में देरी के पीछे कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश में दो क्षेत्रीय दलों से चुनावी गठबंधन करने की संभावना को बताया जा रहा है। राजस्थान में पिछले दो बार से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का खाता भी नहीं खुल पाया था। प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर दोनों बार भाजपा के प्रत्याशी जीते थे। मगर इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ऐसे प्रत्याशियों को मैदान में उतारना चाहती है जो भाजपा प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर तो देंगे ही साथ ही प्रदेश में जीत का खाता भी खोल सकेंगे। तीन महीने पहले विधानसभा चुनाव में हार चुकी कांग्रेस पार्टी के पास अब प्रदेश में खोने को कुछ नहीं बचा है।ऐसे में कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं का मानना है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस करो या मरो की नीति पर चलते हुए पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। इसी श्रृंखला में कांग्रेस के सभी प्रदेश स्तरीय बड़े नेताओं को भी चुनाव मैदान में उतार जायेगा। हालांकि कांग्रेस के कई बड़े नेता लोकसभा चुनाव लड़ने में आनाकानी कर रहे हैं। मगर कांग्रेस आलाकमान ने जिस तरह से छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को मैदान में उतारा है, उसको देखकर लगता है कि अब राजस्थान में भी कांग्रेस के बड़े नेताओं को चुनाव लड़ना ही पड़ेगा। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। मगर उनके गृह क्षेत्र जोध ापुर में दो बार से लगातार कांग्रेस हार रही है। पिछली बार तो उनके पुत्र वैभव गहलोत भाजपा के केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से करीबन 3 लाख से अधिक मतों से चुनाव हार गए थे। इसलिए इस बार कांग्रेस आलाकमान स्वयं अशोक गहलोत को जोधपुर से चुनाव मैदान में उतारने जा रहा है। अशोक गहलोत जोधपुर से पांच बार सांसद तथा जोधपुर संसदीय क्षेत्र के ही सरदारपुर से छठी बार विधायक बने हैं। ऐसे में अशोक गहलोत के खुद के चुनाव लड़ने से चुनावी मुकाबला कांटे का होने की संभावना जताई जा रही है। अशोक गहलोत के लोकसभा चुनाव लड़ने का असर प्रदेश की अन्य लोकसभा सीटों पर भी पड़ेगा और कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी। इसी तरह कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट को टोंक–सवाई माधोपुर सीट से चुनाव मैदान में उतर जाएगा। पायलट अभी टोंक से विधायक हैं तथा पूर्व में दौसा व अजमेर से सांसद रह चुके हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को सीकर लोकसभा सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। डोटासरा सीकर लोकसभा क्षेत्र के लक्ष्मणगढ़ से चौथी बार विधायक का चुनाव जीते हैं। पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे गोविंद राम मेघवाल को बीकानेर सुरक्षित सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। पूर्व मंत्री मुरारीलाल मीणा को दौसा संसदीय सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। पिछली बार उनकी पत्नी सविता मीणा को टिकट दिया गया था जो भाजपा की जसकौर मीणा से 78444 वोटों से चुनाव हार गई थीं। अजमेर से पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री रघु शर्मा को चुनाव लड़वाये जाने की चर्चा चल रही है। रघु शर्मा इस बार केकड़ी से विधानसभा चुनाव हार गये हैं। बाड़मेर से पूर्व मंत्री हरीश चौधरी को चुनाव लड़वाया जा सकता है। हरीश चौधरी अभी विधायक भी हैं तथा पूर्व में बाड़मेर से सांसद भी रह चुके हैं। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को राजसमंद से चुनाव लड़वाया जा सकता है। सीपी जोशी पिछला विधानसभा चुनाव नाथद्वारा सीट से हार चुके हैं। वह पूर्व में कई बार विधायक व भीलवाड़ा से सांसद, केन्द्र सरकार में मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं तथा राजस्थान कांग्रेस में बड़े नेता माने जाते हैं। कोटा से पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को चुनाव लड़वाने की चर्चा चल रही है। धारीवाल वर्तमान में कोटा उत्तर से विधायक हैं तथा पूर्व में कोटा से सांसद, कोटा के जिला प्रमुख व कई बार मंत्री रह चुके हैं। झालावाड़ सीट से पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया का नाम चर्चाओं में है। उदयपुर सीट से रघुवीर मीणा को चुनाव लड़वाने की चर्चा है। हालांकि रघुवीर मीणा पिछले कई चुनाव हार चुके हैं मगर फिर भी वह उदयपुर से कांग्रेस के सबसे मजबूत उम्मीदवार के तौर पर उभरे हैं वह पूर्व में उदयपुर से सांसद हुए कई बार विधायक रह चुके हैं। महेंद्रजीत सिंह मालवीय के भाजपा में जाने के बाद बांसवाड़ा–डूंगरपुर सीट पर मौजूदा विधायक नानालाल निभाना की दावेदारी मजबूत हो रही है। हालांकि कांग्रेस भारतीय आदिवासी पार्टी से गठबंधन पर चर्चा कर रही है। यदि गठबंधन होता है तो बांसवाड़ा सीट कांग्रेस को छोड़नी पड़ेगी। जयपुर शहर से कांग्रेस अल्पसंख्यक समाज के विधायक सलीम कागजी को चुनाव लड़वा सकती है। कागजी दूसरी बार विधायक बने हैं तथा कांग्रेस में बड़े अल्पसंख्यक चेहरे हैं। अलवर से कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। जितेंद्र सिंह पूर्व में अलवर से सांसद, विधायक व केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके हैं। भीलवाड़ा से पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट तथा पाली से दिव्या मदेरणा को चुनाव लड़वाया जाएगा। झुंझुनूं में पूर्व मंत्री विजेंद्र ओला को चुनाव लड़वाया जाएगा। विजेंद्र ओला के पिता शीशराम ओला झुंझुनूं से लगातार पांच बार सांसद व केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे। विजेन्द्र ओला अभी झुंझुनूं से चौथी बार विधायक हैं तथा गहलोत सरकार में राज्य मंत्री थे। चूरू से भाजपा के सांसद राहुल कस्वां को कांग्रेस प्रत्याशी बन सकती है। राहुल कस्वां का भाजपा ने टिकट काट दिया है। राहुल कस्वां दूसरी बार चूरू से सांसद हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चार बार चूरू से सांसद व राजगढ़ से विध ाायक रह चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस चाहती है कि राहुल कस्वां कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ें।र

राजस्थान में कांग्रेस हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी तथा भारतीय आदिवासी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन कर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को मजबूत कर चुनाव लड़ाना चाहती है। हनुमान बेनीवाल नागौर व बाड़मेर सीट तथा भारतीय आदिवासी पार्टी बांसवाड़ा–डूंगरपुर तथा उदयपुर सीट मांग रही है।

ऐसे में कांग्रेस के बड़े नेता दोनों प्रादेशिक पार्टियों के नेताओं से बात कर गठबंधन को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। राजस्थान में दोनो क्षेत्रीय पार्टियों से गठबंध ान होने की घोषणा के साथ ही कांग्रेस अपने प्रत्याशियों के नामों की सूची भी जारी कर देगी।

श्रीनगर में मोदी ने बताई सच्चाई!

श्रुति व्यास

संविधान के अनुच्छेद 370 की जद से जम्मू–कश्मीर को बाहर किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 7 मार्च को पहली बार कश्मीर घाटी पहुंचे। प्रध ाानमंत्री बतौर दूसरी पारी में यह उनकी पहली कश्मीर यात्रा थी। दूसरी बार सत्ता में आने के तुरंत बाद उनकी सरकार ने उस संवैधानिक प्रावधान को जम्मू–कश्मीर से हटाने की कवायद शुरू कर दी थी, जो राज्य को पीछे धकेल रहा था, उसकी प्रगति की राह में रोड़ा था।

गत 7 मार्च को पहली बार उन्होंने कश्मीर से हमें यह याद दिलाया कि अनुच्छेद 370 कश्मीर का गला घोंट रहा था। अगर राजनैतिक नजरिए से देखा जाए तो यह याद दिलाने की लिए कश्मीर से बेहतर जगह कौन–सी हो सकती थी? यह एक महत्वपूर्ण यात्रा थी जिसमें मोदी ने कई सन्देश दिए, जुमलेबाजी भी की और अपने राजनैतिक कौशल का प्रदर्शन भी किया। उन्होंने एक बार फिर याद दिलाया कि जो नैरेटिव वे बुनते हैं, उससे जरा भी इध ार–उधर नहीं होते।

कश्मीर को हमेशा से दुहा और बेचा जाता रहा है दृ राजनैतिक सन्दर्भ में, सामाजिक सन्दर्भ में, भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से, धर्म और पहचान की नाम पर और अपनी–अपनी आपबीती के जरिये। वहां के रहवासियों दृ मुसलमानों और पंडितों दृ दोनों ने उसे बेचा, अपने–अपने नैरेटिव के जरिये। और दोनों के नैरेटिव में दर्द है और दोनों के नैरेटिव दिल दहलाने वाले हैं। फिर कलाकारों, फोटोग्राफरों और फिल्म निर्माताओं ने कश्मीर को बेचा। उसकी कुदरती खूबसूरती और खूनखराबा, वहां की हसीन वादियाँ और हवा में तैरता डर, शांत माहौल को चीरती आहें और गुस्सा दृ इन सबको अगणित बार दुहा और बेचा गया।

अनुच्छेद 370 और 35ए के विशेष प्रावधानों से कश्मीरियों को कोई विशेष लाभ नहीं मिला दृ न आजादी, न गौरव, न स्वायत्ता और ना शांति और ना ही किसी लाभ की गारंटी। कश्मीर को बेच कर सबने फायदा कमाया और सबसे बड़े लाभार्थी थे राजनेता। जब राजनीति बांटने लगती है, जहर फैलाने लगती है तब सबसे ज्यादा कष्ट भोगते हैं आम लोग।

कश्मीर और उसके लोगों दृ विशेषकर उन मुसलमानों, हिन्दुओं, सिक्खों और ईसाईयों ने जो अपने घर छोड़ कर नहीं गए और जो उथलपुथल और नीरवता दोनों को झेलते हुए वहीं रहे आए दृ ने बहुत कुछ भोगा है और बहुत लम्बे समय तक भोगा है। शांति के दिन छोटे और कम रहे और गड़बडियों और बेचैनी के रातें लम्बी और ज्यादा रहीं। बल्कि बेचैनी, असंतोष और गुस्सा कश्मीर की पहचान बन गए।

सन 2019 के चुनाव में भी कश्मीर को एक राजनैतिक औजार के रूप में इस्तेमाल किया गया। कश्मीर पर लिखा गया, कश्मीर पर बोला गया, कश्मीर पर फिल्में बनीं। इन सबमें जो नैरेटिव बनाए गए उनमें भी और राजनैतिक प्रचार में भी, हिंसा छाई रही। और हिंसा ही कश्मीर का नैरेटिव बन गई। कश्मीर विलाप और विषाद की घाटी बन गई।

मगर 5 अगस्त, 2019 को इस सब पर पूर्ण विराम लगा दिया गया। नतीजा यह कि कईयों के लिए नरेन्द्र मोदी एक ऐसे व्यक्ति बन गए जो निर्णय लेना जानते है और जो निर्णय लेते है। वे एक तानाशाह नेता लगते हैं, उनके व्यवहार में दादागिरी का पुट है, नीतियों के निर्माण और उन पर अमल का उनका तरीका गैर–प्रजातान्त्रिक प्रतीत होता है और आने वाली पीढियों को कदाचित उनकी विरासत उतनी शानदार नहीं लगेगी जितनी हमें अभी लगती है।

लेकिन कश्मीर के मामले में उन्होंने जो किया उसके लिए वे हमेशा याद रखे जाएंगे और 370 एक ऐसा अंक होगा जो भुलाया नहीं जा सकेगा। कश्मीर की बेडियाँ काट दी गईं हैं। दर्द और दहशत के नैरेटिव के सौदागरों को नये नैरेटिव ढूँढने पड़ रहे हैं। इनमें अब प्रजातंत्र के अभाव का मसला जुड़ गया है।सन 2019 के बाद कश्मीर की मोदी की इस पहली यात्रा के राजनैतिक निहितार्थ भी हैं। आम चुनाव के पहले मोदी ने बख्शी स्टेडियम के मंच से अपना नैरेटिव देश के सामने पेश किया। वसंत की उस सुबह हवा में ठंडक तो थी मगर आसमान साफ था और ध ूप भली लग रही थी। प्रधानमंत्री ने खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भाजपा की लिए 370 केवल एक नंबर नहीं है बल्कि एक गंभीर सोच का प्रतीक है।

वे उस नैरेटिव से जरा भी इध ार–उधर नहीं हुए, जो नैरेटिव उन्हें ताकत देता है। चुनाव की पूर्वसंध्या पर कश्मीर के दिल से उन्होंने दरअसल कश्मीर को नहीं बल्कि भारत को संबोधि ात किया। उन्होंने याद दिलाया कि 2019 में उन्होंने कश्मीर के बारे में एक ऐतिहसिक और साहसिक कदम उठाया था। उन्होंने भारत को उन दीवारों की याद दिलाई जो कश्मीर और शेष भारत के बीच तामीर कर दी गईं थीं। उन्होंने कश्मीर के पुराने राजनीतिज्ञों की गन्दी करतूतों की याद दिलाई जिन्होंने कश्मीर को इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत से जुदा कर दिया था।

उन्होंने भारत को याद दिलाया कि उसी वेदना में से कमल खिला है। उन्होंने भारत को याद दिलाया कि कश्मीर को अब एक नई राजनीति आकार दे रही है जो कश्मीर के लोगों को देश की अन्य हिस्सों के लोगों से जोड़ रही है। उन्होंने भारत को याद दिलाया कि श्विकसित भारतच के उनके मिशन का कश्मीर एक आवश्यक हिस्सा है और वह उसमें एक आवश्यक भूमिका निभाएगा।

इसके पहले कि मैं नरेन्द्र मोदी की श्नई राजनीतिच के पीछे की राजनीति की बात करूं और उनके नैरेटिव पर आऊं, थोड़ी चर्चा नए जम्मू–कश्मीर की। हो सकता है कि आप हर चीज में कुछ न कुछ नुक्स ढूँढने में माहिर हों, हो सकता है कि आप मोदी और उनके सरकार के अंध विरोधी हों, मगर फिर भी आप कश्मीर में आये बदलावों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। निसंदेह कुछ कश्मीरी एक ही सोच से चिपके रहना चाहते हैं।वहां के कुछ बुद्धिजीवियों की लिए कश्मीर की श्पहचानच (जिसकी परिभाषा बहुत साफ नहीं है) सबसे अहम, सबसे ऊपर है। फिर चाहे इसका मतलब सतत लूट, पहचान का राजनीतिकरण, उसे अन्य पहचानों से जुदा करना, लोगों को कट्टर बनाना, उनका दमन करना और कश्मीर की भूमि और उसकी पहचान को अतीत में धकेलना ही क्यों न हो।इसलिए यह जरूरी है कि हम द्वेष के लेंस लगे चश्मे उतार कर जम्मू–कश्मीर और विशेषकर घाटी में हुई प्रगति को देखें। कश्मीर को बहुत समय बाद विकास का स्वाद चखने को मिल रहा है, वह प्रगति और शांति, ग्लैमर और चमक–दमक का मजा ले रहा है। कश्मीर का मतलब अब हिंसा नहीं है। वहां शांति है। अल्पसंख्यकों की हत्याएं और सेना पर हमले कब–जब इस शांति को भंग करते हैं मगर तुलनात्मक रूप से शांति तो है ही।

लोगों का मूड बदल रहा है। वे अब खुल कर बात करते हैं। वे अपने नए भविष्य, जो सुनहरा है, को गले लगाने तैयार हैं। श्रीनगर और उसके आसपास के इलाके गुलजार हैं। निराशा भी उतनी निराशाजनक नहीं लगती। राजनीति में एक नयापन है, एक नया परिप्रेक्ष्य है। लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा पूरी निष्ठा और समर्पण से इस कोशिश में लगे हैं कि प्रगति और उन्नति के साथ–साथ, राजनीति को भी जगह मिले, मगर एक नए कैनवास पर। नए कश्मीर में एक नई तरह की राजनीति अंगड़ाई ले रही है। अब्दुल्लाओं और मुफ्तियों की राजनीति उतनी ही दयनीय अवस्था को प्राप्त हो चुकी है जितनी कि राहुल गाँधी और तेजस्वी यादव की। निवेश आ रहा है, प्रगति हो रही है। सरकार की योजनाओं का फायदा पुलवामा के कश्मीरी को ही उतना ही मिल रहा है जितना बिहार के मांझी को। जैसा कि हम सब जानते हैं, आप कुछ करके ही मैदान जीत सकते हैं। केवल जुबानी जमाखर्च से कुछ होना–जाना नहीं है। कश्मीरियों को इस बात का अहसास है कि मोदी का जादू इस समय देश में सिर चढ़कर बोल रहा है और शक्ति और सत्ता मोदी के हाथों में केन्द्रित है। मोदी चुनाव के रणभूमि के भी विजयी योद्धा हैं। वे ही सब कुछ हैं।

इसे कश्मीर की नियति कहें या और कुछ और मगर अनुच्छेद 370 हटाए जाने के पांच साल बाद भी वह चुनाव और सत्ता की खेल में महत्वपूर्ण मोहरा बना हुआ है। हालाँकि एक फर्क है। अब चर्चा हिंसा की नहीं होती। और यही मोदी की 7 मार्च की कश्मीर यात्रा को महत्वपूर्ण बनाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि–आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। आपको किसी समारोह में शामिल होने का मौका मिल सकता है। मेहनत से आपको काम में सफलता मिल सकती है। इस राशि के कॉलेज के स्टूडेंट्स को नई गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिल सकता है।

वृष राशि–आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। बच्चे आपको कोई शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। सेहत के मामले में आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। किसी रचनात्मक कार्य में आपका नाम होगा। आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आपके मन की इच्छा पूरी होगी। आपको आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आप नए कदम उठाएंगे, जिसमें आप सफल भी होंगे।

मिथुन राशि–आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का स्पोर्ट मिल सकता है। आने वाले समय में आपकी महत्वकांक्षाएं बढ़ सकती हैं। हर कोई आपकी बातों से प्रभावित हो सकता है। जल्द ही कुछ नई जिम्मेदारियां आपको मिल सकती हैं। आपको अपनी मनपसंद कंपनी में इंटरव्यू के लिए बुलाया जा सकता है।

कर्क राशि–आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बिता सकते हैं। आज आपके लिए कोई फैसला करना कठिन हो सकता है। आपका पैसा कहीं रुक सकता है। आप अपने जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। ऑफिस में काम ज्यादा हो सकता है। किसी काम में अनुमान से ज्यादा ही मेहनत लग सकती है। आज आपको उन लोगों से सावधान रहने की जरूरत है, जो आपको गलत राह पर ले जाने की सोचते हैं।

सिंह राशि–आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। घर पर अचानक से कोई रिश्तेदार आ सकते हैं, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आएंगे। आपको किसी भी वाद–विवाद से बचने की जरुरत है। किसी से बातचीत करते समय आपको अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद हो सकता है। मेहनत के बल पर आपको काम में सफलता मिलेगी।

कन्या राशि–आज आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। साथ काम करने वाले लोगों से आपको मदद मिलेगी। दोस्तों की मदद से आपके काम की प्लानिंग सफल होगी। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है। साथ ही आज का दिन कम मेहनत में ज्यादा फल दिलाने वाला रहेगा।

तुला राशि–आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपको किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखना चाहिए। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच–समझकर ही लेने चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप तनाव की स्थिति में आ सकते हैं। घरवालों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिए अच्छा रहेगा।

वृश्चिक राशि–आज आपका दिन उत्तम रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी कॉम्पिटिटिव एग्जाम से रिलेटिड कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आप दोस्तों के साथ कुछ खुशी के पल बिता सकते हैं। अचानक कहीं बाहर जाने के योग बन रहे हैं।

धनु राशि–आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े–बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा।

मकर राशि–आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश कर सकते हैं। आपके कुछ कामों में अधिक समय लग सकता है, जिससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है। पैसों की चिंता भी आपको थोड़ा परेशान कर सकती है। ऑफिस में आपको कुछ लोगों से मदद भी मिल सकती है।

कुंभ राशि–आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आपको सबका पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। आपको किस्मत का पूरा–पूरा साथ मिलेगा। माता–पिता आपको कोई बड़ा गिफ्ट दे सकते हैं।

मीन राशि–आज आपका दिन घूमने–फिरने में अधिक बीत सकता है। परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं दूर ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 13 मार्च 2024
sheelshukla100@gmail.com

लंबे समय से था इंतजार, अमेरिका में हिंदुओं के संगठन ने सीएए लागू होने पर जताई खुशी

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) जैसे हिंदू अमेरिकी समूहों ने सीएए का स्वागत करते हुए इसे लंबे समय से लंबित बताया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि भारत का सीएए संयुक्त राज्य अमेरिका में धार्मिक शरणार्थियों के लिए लॉटेनबर्ग संशोधन को प्रतिबिंबित करता है। लागू हुआ तो पाकिस्तानी महिला ममउं भ्पकमत का क्या होगा? पीएम मोदी की तस्वीर लेकर ये राग अलाप रही है सचिन की पत्नी द्य टपकमव टपतंसहिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के कार्यकारी ने कहा कि भारत का नागरिकता संशोधन अधिनियम लंबे समय से लंबित और आवश्यक है। यह भारत में सबसे कमजोर शरणार्थियों में से कुछ की रक्षा करता है, उन्हें वे मानवाधिकार प्रदान करता है जिनसे उन्हें अपने देश में वंचित किया गया था और उन्हें अपने जीवन का पुनर्निर्माण शुरू करने के लिए आवश्यक नागरिकता का स्पष्ट और त्वरित मार्ग प्रदान करता है। एचएएफ ने कहा कि सीएए भारतीय नागरिकों के अधिकारों को संशोधित नहीं करता है या सामान्य आप्रवासन के लिए कोई धार्मिक मानदंड लागू नहीं करता है, न ही यह मुसलमानों को भारत में प्रवास करने से रोकता है। शुक्ला ने कहा कि सीएए 1990 से अमेरिका में लंबे समय से स्थापित लॉटेनबर्ग संशोधन को प्रतिबिंबित करता है, जिसने उन चुनिंदा देशों के समूह से भागने वाले व्यक्तियों के लिए एक स्पष्ट आव्रजन मार्ग प्रदान किया है जहां धार्मिक उत्पीड़न व्याप्त है। हालाँकि, भारतीय अमेरिकी मुस्लिम परिषद (आईएएमसी) ने सीएए की कड़ी आलोचना की है।

फाउंडेशन (एचएएफ) जैसे हिंदू अमेरिकी समूहों ने सीएए का स्वागत करते हुए इसे लंबे समय से लंबित बताया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि भारत का सीएए संयुक्त राज्य अमेरिका में धार्मिक शरणार्थियों के लिए लॉटेनबर्ग संशोधन को प्रतिबिंबित करता है। लागू हुआ तो पाकिस्तानी महिला ममउं भ्पकमत का क्या होगा? पीएम मोदी की तस्वीर लेकर ये राग

यूपीआई और रुपे कार्ड का किया जिक्र, ओसीआई कार्ड को लेकर बड़ा ऐलान, मारीशस में राजकीय यात्रा पर राष्ट्रपति मुर्मू

मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनौथ द्वारा आयोजित राजकीय भोज में अपने संबोधन में, राष्ट्रपति मुर्मू ने यह भी घोषणा की कि भारत सरकार धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र के रूप में पवित्र गंगा तालाब परिसर के पुनर्विकास में मॉरीशस सरकार का समर्थन करेगी।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने घोषणा की है कि सद्भावना संकेत में भारत ने 7वीं पीढ़ी के भारतीय मूल के मॉरीशस को उनके पूर्वजों की भूमि से फिर से जोड़ने के लिए प्रवासी भारतीय नागरिक कार्ड के लिए पात्र बनाने के लिए एक विशेष प्रावधान को मंजूरी दे दी है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनौथ द्वारा आयोजित राजकीय भोज में अपने संबोधन में, राष्ट्रपति मुर्मू ने यह भी घोषणा की कि भारत सरकार धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र के रूप में पवित्र गंगा तालाब परिसर के पुनर्विकास में मॉरीशस सरकार का समर्थन करेगी। राजकीय यात्रा पर यहां आए मुर्मू ने कहा, यह निर्णय हमारे साझा सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति भारत में गहरे सम्मान को दर्शाता है। गंगा तलाओ एक गड्ढा झील है जो मॉरीशस के मध्य में सवाने जिले के एक एकांत पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। यह समुद्र तल से लगभग 550 मीटर (1,800 फीट) ऊपर है। इसे मॉरीशस में सबसे पवित्र हिंदू स्थान माना जाता है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस परियोजना में हमारा सहयोग हमारे दोनों देशों के बीच लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव को और गहरा करेगा। मुझे आप सभी को यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरी सरकार ने हाल ही में एक विशेष प्रावधान को मंजूरी दी है जिसके तहत 7वीं पीढ़ी के भारतीय मूल के मॉरीशस भी प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्ड के लिए पात्र होंगे। इससे भारतीय मूल के कई युवा मॉरीशसवासी भारत के विदेशी नागरिक बन सकेंगे और अपने पूर्वजों की भूमि से दोबारा जुड़ सकेंगे। पिछले कुछ हफ्तों में हमारे दो प्रधानमंत्रियों ने भारत और मॉरीशस में न्च और त्नच्ल कार्ड निपटान प्रणाली शुरू कीय उन्होंने अगालेगा में छह सामुदायिक परियोजनाओं के साथ एक नई हवाई पट्टी और एक जेट्टी का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की प्रभावशाली गति दोनों सरकारों द्वारा एक–दूसरे को प्राथमिकता देने और रिश्ते में शनिवेशश करने के कारण संभव हुई है।

गृह युद्ध में दुनिया का सबसे खतरनाक शहर! प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने दिया इस्तीफा

हेनरी ने सशस्त्र गिरोहों से लड़ने में पुलिस की मदद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मिशन का नेतृत्व हासिल करने के लिए पिछले महीने के अंत में केन्या की यात्रा की। लेकिन उनकी अनुपस्थिति के दौरान राजधानी पोर्ट–ऑ–प्रिंस में हिंसा में भारी वृद्धि के कारण वह अमेरिकी क्षेत्र में फंस गए। हैती में चार हजार कैदियों ने पूरे शहर में आतंक मचा दिया है। हैती की सरकार बेबस नजर आ रही है और पुलिस भी डरी हुई है। सशस्त्र गिरोह देश की राजधानी पर कब्जा कर चुके हैं। वे राष्ट्रपति भवन समेत कई सरकारी इमारतों को निशाना बना रहे हैं। सड़कों पर गोलियां चल रही है। कैरेबियाई राष्ट्र में दबाव और अराजकता के बीच हैती के प्रधान मंत्री एरियल हेनरी ने इस्तीफा दे दिया है। वह देश के अंतिम राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज की हत्या के बाद 2021 में प्रधान मंत्री बने। कैरेबियाई समुदाय के अध्यक्ष ने सोमवार को कहा कि हेनरी ने कैरेबियाई राष्ट्र के सरकार प्रमुख के पद से अपना इस्तीफा जारी कर दिया है। कैरेबियाई समुदाय के अध्यक्ष इरफान अली ने हैती की सेवा के लिए हेनरी को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम एक संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद की स्थापना और एक अंतरिम प्रधानमंत्री के नामकरण पर उनके इस्तीफे को स्वीकार करते हैं। हेनरी ने सशस्त्र गिरोहों से लड़ने में पुलिस की मदद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मिशन का नेतृत्व हासिल करने के लिए पिछले महीने के अंत में केन्या की यात्रा की। लेकिन उनकी अनुपस्थिति के दौरान राजधानी पोर्ट–ऑ–प्रिंस में हिंसा में भारी वृद्धि के कारण वह अमेरिकी क्षेत्र में फंस गए। हेनरी का इस्तीफा तब आया है जब क्षेत्रीय नेताओं ने सोमवार को पास के जमैका में राजनीतिक परिवर्तन की रूपरेखा पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की थी, जिसे अमेरिका ने पिछले सप्ताह तेजी से करने का आग्रह किया था, जबकि गिरोह ने हेनरी को पद छोड़ने के लिए कहा था। हैती में हिंसक हमलों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं और हैती के 15,000 से अधिक नागरिक बेघर हो गए। इन गिरोहों ने हैती की राजधानी के अधिकतर हिस्से पर कब्जा कर लिया है और इसके मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को बंद कर दिया है। हेनरी डोमिनिकन गणराज्य में उतरने से रोके जाने के बाद एक सप्ताह पहले प्यूर्टो रिको पहुंचे थे। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि हैती को संकट से कैसे बाहर निकाला जा सकता है। हैती में भारी हथियारों से लैस गिरोहों ने पुलिस थानों को जला दिया, मुख्य हवाई अड्डे पर हमला किया और देश की दो सबसे बड़ी जेल पर हमला किया।

मारीशस में राजकीय यात्रा पर राष्ट्रपति मुमू नें बढाया एक और कदम

मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनौथ द्वारा आयोजित राजकीय भोज में अपने संबोधन में, राष्ट्रपति मुर्मू ने यह भी घोषणा की कि भारत सरकार धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र के रूप में पवित्र गंगा तालाब परिसर के पुनर्विकास में मॉरीशस सरकार का समर्थन करेगी। राजकीय यात्रा पर यहां आए मुर्मू ने कहा, यह निर्णय हमारे साझा सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति भारत में गहरे सम्मान को दर्शाता है। गंगा तलाओ एक गड्ढा झील है जो मॉरीशस के मध्य में सवाने जिले के एक एकांत पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। यह समुद्र तल से लगभग 550 मीटर (1,800 फीट) ऊपर है। इसे मॉरीशस में सबसे पवित्र हिंदू स्थान माना जाता है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस परियोजना में हमारा सहयोग हमारे दोनों देशों के बीच लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव को और गहरा करेगा। मुझे आप सभी को यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरी सरकार ने हाल ही में एक विशेष प्रावधान को मंजूरी दी है जिसके तहत 7वीं पीढ़ी के भारतीय मूल के मॉरीशस भी प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्ड के लिए पात्र होंगे। इससे भारतीय मूल के कई युवा मॉरीशसवासी भारत के विदेशी नागरिक बन सकेंगे और अपने पूर्वजों की भूमि से दोबारा जुड़ सकेंगे। पिछले कुछ हफ्तों में हमारे दो प्रधानमंत्रियों ने भारत और मॉरीशस में न्च और त्नच्ल कार्ड निपटान प्रणाली शुरू कीय उन्होंने अगालेगा में छह सामुदायिक परियोजनाओं के साथ एक नई हवाई पट्टी और एक जेट्टी का भी उद्घाटन किया।

पाकिस्तान के साथ बातचीत के दरवाजे कभी बंद नहीं किए, एलएसी पर ज्यादा सैनिक दोनों के हित में नहीं, सीमा विवाद पर जयशंकर के बयान से दोनों देशों की हो जाएगी बोलती बंद

जयशंकर ने तनावपूर्ण भारत–चीन संबंधों और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बलों को कम करने और मौजूदा समझौतों को बनाए रखने की आवश्यकता को संबोधित किया। मुझे लगता है कि यह हमारे साझा हित में है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हमारे पास इतनी सारी ताकतें नहीं होनी चाहिए।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और चीन के बीच जारी तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस स्थिति से किसी भी देश को कोई फायदा नहीं हुआ है। एक पैनल चर्चा में बोलते हुए जयशंकर ने तनावपूर्ण भारत–चीन संबंधों और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बलों को कम करने और मौजूदा समझौतों को बनाए रखने की आवश्यकता को संबोधित किया। मुझे लगता है कि यह हमारे साझा हित में है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हमारे पास इतनी सारी ताकतें नहीं होनी चाहिए। मुझे लगता है कि यह हमारे साझा हित में है कि हमें उन समझौतों का पालन करना चाहिए जिन पर हमने हस्ताक्षर किए हैं। मेरा मानना घ्ह्है कि यह है जयशंकर ने कहा, श्शसिर्फ आम हित में नहीं, मेरा मानना घ्ह्है कि यह चीन के हित में भी है। पिछले चार वर्षों से हमने जो तनाव देखा है, उससे हम दोनों को कोई फायदा नहीं हुआ है। विदेश मंत्री ने सीमा विवाद के निष्पक्ष और तर्कसंगत समाधान की तलाश के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जो पहले से हस्ताक्षरित समझौतों का सम्मान करता है और यथास्थिति को बदलने का प्रयास किए बिना एलएसी को स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि जितनी जल्दी हम इसे सुलझा लेंगे, मैं वास्तव में मानता हूं कि यह हम दोनों के लिए अच्छा है। मैं अभी भी निष्पक्ष, उचित परिणाम खोजने के लिए प्रतिबद्ध हूं। लेकिन जो समझौतों का सम्मान करता है वह वास्तविक नियंत्रण रेखा को मान्यता देता है और इसकी मांग नहीं करता है। यथास्थिति को बदलने के लिए। मुझे लगता है कि यह हम दोनों के लिए अच्छा होगा। जून 2020 में गलवान घाटी में झड़प के बाद पूर्वी लद्दाख में कुछ घर्षण बिंदुओं पर भारत और चीन के बीच लगभग चार साल से चल रहे विवाद के बीच यह टिप्पणी आई है। भारत और चीन ने गतिरोध को हल करने के लिए राजनयिक और उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता के कई दौर में भाग लिया है, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली है। दोनों पक्ष जमीन पर ष्शांति और शांतिष् बनाए रखने पर सहमत हुए हैं।

मुइज्जू की पूरी हुई मनोकामना, समय सीमा से पहले मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी शुरू

माले और नई दिल्ली के बीच बातचीत के बाद, दोनों पक्ष 10 मई तक देश से 89 भारतीय सैनिकों और उनके सहायक कर्मचारियों की वापसी को पूरा करने पर सहमत हुए थे। मिहारू ने बताया कि तीन भारतीय विमान दो हेलीकॉप्टर और एक फिक्स्ड–विंग विमान – होंगे भारतीय नागरिक कर्मचारियों द्वारा संचालित, पहले ही द्वीप राष्ट्र में आ चुका था।

देश के चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के 10 मई तक द्वीपसमूह छोड़ने के आदेश के बाद भारत ने मालदीव से अपने सैनिकों को वापस बुलाना शुरू कर दिया है। मिहारू अखबार ने बताया कि अड्डू के सबसे दक्षिणी एटोल में तैनात लगभग 25 भारतीय सैन्य कर्मियों ने 10 मार्च से पहले देश छोड़ दिया था, वापसी की आधिकारिक शुरुआत पर भारत और मालदीव दोनों ने सहमति व्यक्त की थी। माले और नई दिल्ली के बीच बातचीत के बाद, दोनों पक्ष 10 मई तक देश से 89 भारतीय सैनिकों और उनके सहायक कर्मचारियों की वापसी को पूरा करने पर सहमत हुए थे। मिहारू ने बताया कि तीन भारतीय विमान दो हेलीकॉप्टर और एक फिक्स्ड–विंग विमान – होंगे भारतीय नागरिक कर्मचारियों द्वारा संचालित, पहले ही द्वीप राष्ट्र में आ चुका था। 2 फरवरी को दिल्ली में हाई लेवल मीटिंग हुई। हालाँकि मालदीव या भारतीय अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, मिहारू ने कहा कि मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल ने पुष्टि की है कि भारतीय सैनिकों की वापसी शुरू हो गई है। पिछले साल सत्ता में आने के बाद मुइज्जू ने प्रतिज्ञा की थी कि मालदीव की विशाल समुद्री सीमा पर गश्त के लिए तैनात किसी भी भारतीय सुरक्षाकर्मी को अनुमति नहीं दी जाएगी। भारत के पीछे हटने की समय सीमा नजदीक आते ही मालदीव ने 4 मार्च को चीन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। मालदीव के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह सौदा मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए है और चीन अपने कर्मचारियों को उसी के तहत प्रशिक्षित करेगा। एक दिन बाद, मुइज्जू ने कथित तौर पर कहा कि 10 मई के बाद किसी भी भारतीय सैनिक, यहां तक घ्कि नागरिक कपड़ों में भी द्वीपसमूह में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पाकिस्तान की राह पर चला मालदीव, भारत के खिलाफ अब क्या नई साजिश रच रहे मुइज्जू ?

हिंदुस्तान से पंगा लेने वाला मालदीव अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुट गया है। इसके लिए उसने तुर्कीए से हाथ मिलाया है। मालदीव ने पहली बार तुर्कीए से मिलिट्री ड्रोन खरीदे हैं। इन ड्रोन का इस्तेमाल समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए किया जाएगा।

भारत से पंगा लेने वाला मालदीव और पाकिस्तान की राह पर चल पड़ा है। चीन से नजदीकी बढ़ाने के बाद मालदीव ने तुर्कीए से हाथ मिलाया है। मुइज्जु सरकार ने तुर्कीए से ड्रोन खरीदे थे जो अब मालदीव पहुंच गए हैं। यूक्रेन से लेकर अरमेनिया तक ये ड्रोन तबाही मचा चुके हैं। ऐसे मैं सवाल उठने लगे हैं कि क्या मालदीव की ये ड्रोन साजिश भारत को ध्यान में रखकर की जा रही है। हिंदुस्तान से पंगा लेने वाला मालदीव अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुट गया है। इसके लिए उसने तुर्कीए से हाथ मिलाया है। मालदीव ने पहली बार तुर्कीए से मिलिट्री ड्रोन खरीदे हैं। इन ड्रोन का इस्तेमाल समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए किया जाएगा। मालदीव मीडिया के मुताबिक तुर्कीए ने 3 मार्च को मालदीव को ड्रोन डिलीवर किए जो फिलहाल नुनु मफारु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि तुर्कीए ने मालदीव को अपने टीबी–2 ड्रोन सप्लाई किये हैं। हालांकि ड्रोन खरीद को लेकर मुइज्जू सरकार ने अबतक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन खबरों की माने तो तुर्कीए से एयरक्राफ्ट मालदीव की एयरपोर्ट पहुंचा है। जिसके बाद से ही ये अनुमान लगाया जाने लगा कि तुर्की ने मालदीव को अपने टीबी–2 ड्रोन सप्लाई किये हैं। मालदीव मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक तुर्कीए की एक कंपनी के साथ 307 करोड़ रुपए का करार हुआ है। टीबी–2 ड्रोन दुनिया के सबसे चर्चित ड्रोन्स में शामिल है। ये ड्रोन एयर डिफेंस सिस्टम को चकमा देने में माहिर माने जाते हैं।

भारत ने चीन पर साधा निशाना, Pakistan के आतंकवादियों को बचाता है बेपदं, काली सूची में डालने से रोकना ड्रेगन का दोगलापन !

चीन पर परोक्ष हमला बोलते हुए भारत ने कहा कि बिना किसी औचित्य के वैश्विक आतंकवादियों को काली सूची में डालने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में साक्ष्य–आधारित प्रस्तावों को रोकना समस्या से निपटने में ष्दोहरे बोलष् की तरह है। न्यूयॉर्करू चीन पर परोक्ष हमला बोलते हुए भारत ने कहा कि बिना किसी औचित्य के वैश्विक आतंकवादियों को काली सूची में डालने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में साक्ष्य–आधारित प्रस्तावों को रोकना समस्या से निपटने में ष्दोहरे बोलष् की तरह है। चीन ने अतीत में कई पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को संयुक्त राष्ट्र में बैकलिस्ट में आने से बचाया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा ने कहा, ष्आइए हम भूमिगत दुनिया में रहने वाले सहायक निकायों की ओर रुख करें, जिनके अपने स्वयं के कस्टम–निर्मित कामकाजी तरीके और अस्पष्ट प्रथाएं हैं, जिन्हें चार्टर या परिषद के किसी भी प्रस्ताव में कोई कानूनी आधार नहीं मिलता है। यूएनएससी की प्रतिबंध समिति का जिक्र करते हुए, कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र में स्थापित प्रक्रिया को शुरू करने का आह्वान किया, जो पाठ के माध्यम से बातचीत में शामिल होने या एक–दूसरे पर बोलने या एक–दूसरे को अतीत बताने के माध्यम से नहीं है। उन्होंने कहा, ष्जैसे–जैसे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरे बढ़ रहे हैं, वैसे ही इस परिषद को भी होना चाहिए। हम इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रगति को अवरुद्ध करने वालों से वास्तविक सुधार की मांग पर ध्यान देने और इस परिषद को 21वीं सदी के उद्देश्यों के लिए वास्तव में उपयुक्त बनाने में योगदान देने के लिए कहते हैं उदाहरण के लिए, जबकि हमें लिस्टिंग पर इन समितियों के निर्णयों के बारे में पता चलता है, लेकिन लिस्टिंग अनुरोधों को अस्वीकार करने के निर्णयों को सार्वजनिक नहीं किया जाता है। यह वास्तव में एक छिपा हुआ वीटो है, लेकिन इससे भी अधिक अभेद्य वीटो है जो वास्तव में व्यापक सदस्यों के बीच चर्चा के लायक है, "संयुक्त राष्ट्र में भारतीय दूत ने आगे कहा। चीन पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को बचा रहा है कंबोज ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जब आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबद्धता की बात आती है तो ष्वैश्विक स्तर पर स्वीकृत आतंकवादियों के लिए वास्तविक, साक्ष्य–आधारित सूची प्रस्तावों को, बिना कोई उचित कारण बताए, अवरुद्ध किया जाना अनावश्यक है और दोहरे भाषण की बू आती हैष्। यह चीन की ओर परोक्ष हमला प्रतीत होता है, जिसने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को काली सूची में डालने के लिए 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत भारत की बोलियों को बार–बार अवरुद्ध किया है या तकनीकी रोक लगाई है और परिषद के अन्य सदस्यों ने इसका समर्थन किया है।

चार बार के वित्त मंत्री इशाक डार को पाकिस्तान का विदेश मंत्री नियुक्त किया गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में गठित नई सरकार भारत और अन्य पड़ोसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित घरेलू और बाहरी मोर्चों पर अनगिनत समस्याओं का समाधान करना चाहती है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को अपने मंत्रिमंडल में 19 सदस्यों को शामिल किया। पाकिस्तान में नई सरकार के गठन होने के बाद चार बार वित्त मंत्री रह चुके इशाक डार को देश का नया विदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान में गठित नई सरकार भारत और अन्य पड़ोसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित घरेलू और बाहरी मोर्चों पर अनगिनत समस्याओं का समाधान करना चाहती है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को अपने मंत्रिमंडल में 19 सदस्यों को शामिल किया। इशाक डार पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के वरिष्ठ नेता हैं। वह मूल रूप से कश्मीरी हैं और सनदी लेखाकार (सीए) हैं। वह पार्टी प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भी विश्वासपात्र हैं। इशाक डार को विदेशी मामलों के प्रबंधन में कम अनुभव है, लेकिन उन्हें ऐसे समय में नयी सरकार में विदेश मंत्री का पद दिया गया है।

टी 20 वर्ड कप 2024 में मिशेल मार्श होंगे अस्ट्रेलिया के कप्तान, पैट कमिंस की लेंगे जगह

मिशेल मार्श ने पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद चार टी20 मैचों में से तीन में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की है। मार्श सिर्फ भारत के खिलाफ टी20 सीरीज नहीं खेल पाए थे, क्योंकि पिछले टी20 वर्ल्ड कप के तुरंत बाद उन्हें आराम दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड ने बताया है कि मिशेल मार्श आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान होंगे। आगामी टी20 वर्ल्ड कप जून में कैरेबियन देशों और अमेरिका में होगा। ऑस्ट्रेलियाई कोच ने मार्श के कप्तान बनने का समर्थन किया है। साल 2022 के आखिर में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित आखिरी टी20 वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी के बाद फिंच ने संन्यास ले लिया था। उसके बाद मिशेल मार्श ने अनौपचारिक रूप से कप्तान की भूमिका निभाई है। एरोन फिंच की रिटायरमेंट के बाद से, मिशेल मार्श ने पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद चार टी20 मैचों में से तीन में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की है। मार्श सिर्फ भारत के खिलाफ टी20 सीरीज नहीं खेल पाए थे, क्योंकि पिछले टी20 वर्ल्ड कप के तुरंत बाद उन्हें आराम दिया गया था। जबकि पैट कमिंस वनडे और टेस्ट में कप्तान के रूप में सफल रहे हैं, टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टी20 कप्तान के रूप में मार्श की नियुक्ति होना संभव लग रहा है। वहीं मिशेल मार्श को टी20 में कप्तान बनाने का ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भी समर्थन किया है। ऑस्ट्रेलिया टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पहला मैच 5 जून को ओमान के खिलाफ खेलेगी।

यशस्वी जायसवाल चुने गए आईसीसी प्लेयर आफ द मंथ, दिग्गजों को पछाड़ा

यशस्वी जायसवाल को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद मंगलवार को फरवरी के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। वहीं इस युवा बल्लेबाज ने इस मामले में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और श्रीलंका के पथुम निसांका को पछाड़ा है।भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद मंगलवार को फरवरी के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। बाएं हाथ के इस 22 वर्षी बल्लेबाज ने ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में कुल 712 रन बनाए। बता दें कि, जायसवाल ने जो 712 रन बनाए वो इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। उस दौरान उन्होंने दो दोहरे शतक और तीन अर्धशतक लगाकर भारत को 4–1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने राजकोट में अपने दोहरी शतकीय पारी के दौरान 12 छक्के लगाकर टेस्ट की एक टेस्ट पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी की।वहीं जायसवाल ने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने के बाद कहा कि, मैं आईसीसी पुरस्कार हासिल करके वास्तव में खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मुझे और पुरस्कार मिलेंगे। साथ ही उन्होंने कहा,

''यह मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ और पांच मैचों की मेरी पहली सीरीज थी। मैंने वास्तव में इसका लुत्फ उठाया। मैंने अच्छा खेल दिखाया और हम सीरीज 4–1 से जीतने में सफल रहे। मेरे सभी साथी खिलाड़ियों के साथ यह मेरे लिए एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है।

जी 20 वर्डकप 2024 से बाहर हो सकते हैं विराट कोहली 2024 साबित होगी लाइफलाइन

कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक विराट कोहली को स्क्वॉड से बाहर रखा जा सकता है। इसके पीछे का कारण बताया जा रहा है कि वेस्टइंडीज और यूएसए में विकेट धीमे होंगे। ऐसे में उनकी बल्लेबाजी स्टाइल से भारत को फायदा नहीं होगा। हालांकि, एक लाइफलाइन कोहली के पास आईपीएल 2024 है, जिसमें वो बेहतरीन प्रदर्शन करके खुद की जगह बचा सकते हैं। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए 30 अप्रैल तक सभी टीमों का ऐलान हो जाएगा। बीसीसीआई को भी अपनी टीम अप्रैल के आखिरी सप्ताह या मई के पहले सप्ताह में फाइनल करनी होगी। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक विराट कोहली को स्क्वॉड से बाहर रखा जा सकता है। इसके पीछे का कारण बताया जा रहा है कि वेस्टइंडीज और यूएसए में विकेट धीमे होंगे। ऐसे में उनकी बल्लेबाजी स्टाइल से भारत को फायदा नहीं होगा। हालांकि, एक लाइफलाइन कोहली के पास आईपीएल 2024 है, जिसमें वो बेहतरीन प्रदर्शन करके खुद की जगह बचा सकते हैं। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने के लिए विराट कोहली को आईपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। चयनकर्ता कोहली को टी20 वर्ल्ड कप के लिए चुनने के इच्छुक नहीं हैं, क्योंकि प्रबंधन का मानना है कि अनुभवी खिलाड़ी सबसे छोटे प्रारूप में टीम की जरूरतों को पूरा करने में विफल रहे हैं। कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2022 के बाद से कोई टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। वे रोहित शर्मा के साथ अफगानिस्तान टी20 सीरीज में खेले थे, लेकिन ज्यादा सफल नहीं हो पाए थे। दो ही मैच उन्होंने खेले थे। वहीं बोर्ड के सचिव जय शाह ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए रोहित शर्मा को कप्तान बनाए जाने की पुष्टि की है। हालांकि, जब उनसे विराट कोहली के टी20 भविष्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। रिपोर्ट में कहागया है कि बोर्ड ने कोहली के चयन की गुत्थी मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर पर छोड़ दी है। ये बहुत नाजुक मामला है। ऐसे में लोग इसमें शामिल होने के इच्छुक नहीं हैं।

बेंगलुरु में जल संकट का असर आईपीएल के पहले चरण के तीन मैचों पर नहीं पड़ेगा– केएससीए

मंगलवार को कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने कहा कि बेंगलुरु में जल संकट का असर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरूआती चरण के तीन मैचों पर नहीं पड़ेगा क्योंकि चिन्नास्वामी स्टेडियम के सीवेज संयंत्र का पानी मैदान के आउटफील्ड और पिच के लिए उपयोग किया जायेगा। बेंगलुरु पिछले चार दशक के सबसे गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने मंगलवार को कहा कि बेंगलुरु में जल संकट का असर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरूआती चरण के तीन मैचों पर नहीं पड़ेगा क्योंकि चिन्नास्वामी स्टेडियम के सीवेज संयंत्र का पानी मैदान के आउटफील्ड और पिच के लिए उपयोग किया जायेगा। बेंगलुरु पिछले चार दशक के सबसे गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। इस दौरान आगामी आईपीएल में इस शहर में होने वाले मैचों को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की मांग उठ रही है। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलोर को आईपीएल के पहले चरण में यहां 25 मार्च, 29 मार्च और दो अप्रैल को क्रमशरूपंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ खेलना है। केएससीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शुभेंदु घोष ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''फिलहाल हम किसी संकट का सामना नहीं कर रहे हैं। हमें पानी के उपयोग के संबंध में राज्य सरकार से जानकारी मिल गई है और हम (केएससीए पदाधिकारी) दिशानिर्देशों का पालन करने के बारे में लगातार बैठक कर रहे हैं।''बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) ने एक नोटिस जारी किया था, जिसमें बागवानी या वाहन धोने जैसे किसी अन्य उद्देश्य के लिए पीने योग्य पानी के उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। घोष ने उम्मीद जतायी कि एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के अंदर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का पानी आउटफील्ड और पिच को पानी देने जैसे उद्देश्यों के लिए पर्याप्त होगा। उन्होंने कहा, ''हम पहले से ही एसटीपी संयंत्र से पानी का उपयोग आउटफील्ड, पिच और स्टेडियम के अन्य प्रयोजनों के लिए कर रहे हैं। हमें मैच के आयोजन लिए 10000–15000 लीटर पानी की आवश्यकता हो सकती है, और हमें यकीन है कि इसे एसटीपी संयंत्र से हासिल कर सकते हैं।''घोष ने कहा, '' हमें इन कामों के लिए भूजल का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है। हां, हम पानी के उपयोग पर सरकार की नई नीति पर करीब से नजर रख रहे हैं, लेकिन हम आदेश में सभी बिंदुओं को पूरा करने के लिए आश्वस्त हैं।'' शहर की झीलों को पुनर्जीवित करने जैसी हरित पहल में अग्रणी भूमिका निभाने वाले रॉयल चौलेंजर्स के अधिकारी भी शहर में पानी की कमी के बावजूद मैच आयोजित करने को लेकर आश्वस्त दिखे। टीम के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, ''हम स्थिति से अवगत हैं और केएससीए पदाधिकारियों के संपर्क में हैं। लेकिन यहां शुरुआती मैच से पहले हमारे पास दो सप्ताह का समय है।

इसलिए, हम मैचों के सुचारू संचालन को लेकर आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा, ''यह स्थल राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के मानदंडों का भी अनुपालन करता है, इसलिए ऐसे परिदृश्यों से निपटने के लिए यहां पहले से ही एक प्रणाली मौजूद है।

भारत के खिलाफ सीरीज में ओपनर की भूमिका निभाएंगे स्टीव स्मिथ, कोच मैकडोनाल्ड ने दिए संकेत

ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज के रूप में स्टीव स्मिथ को मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिए हैं कि, ये दिग्गज बल्लेबाज कम से कम इस साल के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज में अपनी ओपनर की भूमिका निभाने के लिए तैयार हों गे। मौजूदा समय में ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज के रूप में स्टीव स्मिथ को मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिए हैं कि, ये दिग्गज बल्लेबाज कम से कम इस साल के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज में अपनी ओपनर की भूमिका निभाने के लिए तैयार हों गे। फिलहाल, भारत बोर्डर–गावस्कर ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखने के लिए इस साल नवंबर से जनवरी 2025 के बीच ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा। भारत ने 2018–19 और 2020–21 में यह ट्रॉफी बरकरार रखी।वहीं मैकडोनाल्ड ने 'क्रिकेट.कॉम.एयू' से कहा कि, स्मिथ (भारत के खिलाफ चुनौतियों का) इंतजार कर रहा है और मुझे लगता है कि यह उसके लिए आंतरिक प्रेरणा होगी। वह पारी का आगाज करना चाहता है। यह एक ऐसा स्थान है जिसके लिए वह हमारे पास आया और हमें लगता है कि वह इस पर सफल हो सकता है। बता दें कि, डेविड वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के साथ टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया। जिसके बाद उनकी जगह इस साल जनवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से स्मिथ को पारी का आगाज करने का मौका मिला। हालांकि वह सलामी बल्लेबाजों के रूप में काफी प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाए। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने ब्रिसबेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ एक

रणजी ट्राफी फाइनल में श्रेयस अय्यर का बल्ला बोला, एक बार फिर मुशीर खान ने उड़ाया गर्दा

अय्यर के बल्ले से मुंबई और विदर्भ रणजी ट्रॉफी फाइनल में आग उलगी। वह महज पांच रन से शतक से चूक गए। उन्होंने मुंबई के लिए दूसरी पारी में 111 गेंदों में 10 चौकों और 3 छक्कों की बदौलत 95 रन की पारी खेली।मंगलवार को श्रेयस अय्यर फॉर्म में लौट आए हैं। जिसके बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन आलोचकों को करार जवाब दिया है। अय्यर के बल्ले से मुंबई और विदर्भ रणजी ट्रॉफी फाइनल में आग उलगी। वह महज पांच रन से शतक से चूक गए। उन्होंने मुंबई के लिए दूसरी पारी में 111 गेंदों में 10 चौकों और 3 छक्कों की बदौलत 95 रन की पारी खेली। अय्यर को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के शुरुआती दो मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम से बाहर होना पड़ा। वह सेमीफाइनल के अलावा फाइनल की पहली पारी में भी छाप नहीं छोड़ सके थे, जिसके कारण उनकी आलोचना हो रही थी। अय्यर पांचवें नंबर पर बैटिंग के लिए उतरे। उन्होंने मुशीर खान के साथ बखूबी मोर्चा संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 168 रन की साझेदारी की। अय्यर ने तूफानी अर्धशतक ठोका और वह अलग ही अंदाज में नजर आ रहे थे। हालांकि, अय्यर 102वें ओवर में नर्वस नाइंटीज का शिकार हो गए। उन्हें आदित्य ठाकुर ने अमन मोखड़े के हाथों कैच आउट कराया। वहीं, 19 वर्षीय मुशीर ने 225 गेंदों में अपनी सेंचुरी पूरी की। ये उनके प्रथम श्रेणी करियर का दूसरा शतक है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में दोहरा शतक ठोका था। मुंबई ने मैच के तीसरे दिन 141ध्2 से खेलना शुरू किया। मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 143 गेंदों में 73 रन बनाए। इस पारी को छोड़ दें तो रहाणे के लिए टूर्नामेंट अच्छा नहीं रहाय उन्होंने फाइनल से पहले सात मैचों में 134 रन बनाए। उन्होंने फाइनल की पहली पारी में महज सात रन बटोरे। रहाणे भी टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं।

गर्मी के मौसम में ठंडक का अहसास देंगी ये 4 आइसक्रीम, आसान है इनकी रेसिपी

गर्मियों के आते ही शरीर से पसीना निकलना शुरू हो जाता है। तेज धूप के कारण शरीर में गर्मी बढ़ जाती है, जो पेट संबंधी समस्याएं पैदा कर सकती है।ऐसे मौसम में कुछ ऐसा खाने का मन करता है, जिसके जरिए शरीर को ठंडक का अहसास हो। अगर आप भी खान–पान के जरिए ठंडा महसूस करना चाहते हैं तो आइसक्रीम खाना ठीक रहेगा।इन 5 आसान रेसिपी के जरिए आप स्वादिष्ट आइसक्रीम घर पर बना सकते हैं।कृष्णकमल फल की आइस पॉपकृष्णकमल के फल को पैशन फ्रूट भी कहा जाता है, जिससे आप आइस पॉप बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए 340 ग्राम कृष्णकमल के फल के गूदे को 2 गिलास नारियल के पानी में मिला दें।बीज हटाने के लिए छान लीजिए। मिश्रण को आइस पॉपसिकल के सांचे में डालें। सभी सांचों में इस फल के कुछ बीज डालें, फिर लकड़ी की छोटी छडियां डालें और कम से कम 6 घंटे के लिए जमा दें।चेरी आइसक्रीमचेरी आइसक्रीम बनाने के लिए चेरी को मोटा–मोटा काटकर पीस लें। अब इसमें चीनी और दूध मिलाएं और तेज गति पर 5 मिनट फेंटें, जब तक चीनी घुल न जाए।इस तैयार मिश्रण को एक बड़े बर्तन में निकालें और 4 घंटे या रातभर के लिए जमने दें।ताजी चेरी को आप फ्रीज करके भी रख सकते हैं। इसके लिए पहले इन्हें धोएं, फिर सुखाएं और एक एयरटाइट कंटेनर में लंबे समय तक फ्रीज करें।

फ्रूट सलाद आइसक्रीम

सबसे पहले 1 लीटर के टिन में प्लास्टिक रैप लपेट दें। अब क्रीम लें और नरम होने तक फेंटें। इसमें दही और गाढ़ा दूध डालें और 2 मिनट तक फेंटें।क्रीम मिश्रण का 1ध4 हिस्सा टिन में डालें और फिर ऊपर से कटे हुए फल डालें और इस प्रक्रिया को दोहराते रहें।इसे प्लास्टिक रैप से लपेटकर सख्त होने तक कम से कम 4 घंटे के लिए फ्रीजर में रखें। इसे निकालकर प्लास्टिक हटाएं और काटकर परोसें।फ्रोजन हनी आइसक्रीमइस आइसक्रीम को बनाने के लिए एक कटोरे में प्लास्टिक रैप या बेकिंग पेपर लगाएं। एक अलग बड़े कटोरे में क्रीम को कुछ देर तक फेंटें।अब इसमें शहद और 1 चुटकी नमक डालें।

गजब फायदेमंद है बैंगनी रंग की पत्ता गोभी, कैंसर से लेकर दिल की बीमारियों का खतरा करेगी कम

सब्जियां सेहत के लिए जबरदस्त फायदेमंद होती हैं. इन्हें खाने से शरीर को भरपूर प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन और फाइबर जैसे पोषक तत्व मिल जाते हैं. इनके सेवन से अनगिनत फायदे भी होते हैं. सबसे ज्यादा फायदे वाली सब्जी में करेला, पालक या ब्रोकोली का नाम आता है लेकिन बैंगनी रंग की पत्तागोभी में भी कई गुण पाए जाते हैं. इसलिए इसे पावरफुल सब्जियों में रखा जाता है. अभी तक आपने हरे रंग की पत्ता गोभी खाया होगा लेकिन बैंगनी पत्तागोभी काफी ज्यादा फायदे वाला है. इसमें जरूरी विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट भर–भरकर पाए जाते हैं. इनके सेवन से शरीर को कई फायदे होते हैं. आइए जानते हैं बैंगनी पत्तागोभी खाने से शरीर को कितना लाभ मिलता है...

बैंगनी पत्तागोभी के फायदे

हार्ट डिजीज और कैंसर का खतरा कम करे

बैंगनी पत्तागोभी में एंथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर में हानिकारक फ्री रेडिकल्स को बेअसर कर ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने का काम करते हैं. इससे कैंसर और हार्ट की बीमारियों का खतरा कम होता है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जिससे शरीर का सूजन कम होता है और गठिया, अस्थमा जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है.दिल की सेहत के लिए फायदेमंद

बैंगनी पत्तागोभी में फ्लेवोनोइड्स और पॉलीफेनोल्स जैसे कंपाउंड पाए जाते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम कर ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाते हैं और ब्लड प्रेशर की समस्या को कम कर दिल की सेहत को दुरुस्त रखने का काम करते हैं.इम्यूनिटी बूस्टर और पाचन के लिए बेहतर

बैंगनी पत्तागोभी विटामिन सी से भरपूर होती है. ये सफेद रक्त कोशिकाओं और एंटीबॉडी का उत्पादन बढ़ाकर इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करती है. इससे शरीर संक्रमण और बीमारियों से बचती है. फाइबर का बढिया सोर्स होने से बैंगनी पत्तागोभी पाचन को भी बेहतर बनाने के काम आते हैं.वजन कंट्रोल करेबैंगनी पत्तागोभी में कैलोरी, फैट कम और फाइबर ज्यादा पाए जाते हैं, जो वजन को कम कर पाचन को बेहतर बनाते हैं. इनके सेवन से भूख अच्छी लगती है. इनमें सल्फर यौगिक पाए जाते हैं, जो लिवर के कार्य करने की क्षमता को अच्छा करने का काम करते हैं. इसके सेवन से शरीर से विषाक्त पदार्थ आसानी से बाहर निकल जाते हैं.

ऐ वतन मेरे वतन से इमरान हाशमी की पहली झलक आई सामने, स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया का निभाएंगे किरदार

सारा अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म ये वतन मेरे वतन लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. ये फिल्म लंबे समय से चर्चा में है. फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है. कुछ समय पहले सारा अली खान का लुक सामने आया था. वहीं अब फिल्म में गेस्ट अपीरियंस देने वाले इमरान हाशमी का भी लुक जारी कर दिया गया है. इस फिल्म में एक्टर स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया के किरदार में नजर आने वाले हैं.सारा अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म ये वतन मेरे वतन लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. ये फिल्म लंबे समय से चर्चा में है. फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है. कुछ समय पहले सारा अली खान का लुक सामने आया था. वहीं अब फिल्म में गेस्ट अपीरियंस देने वाले इमरान हाशमी का भी लुक जारी कर दिया गया है. इस फिल्म में एक्टर स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया के किरदार में नजर आने वाले हैं.बता दें कि राम मनोहर लोहिया ने अंडरग्राउंड रेडियो को स्थापित करने और चलाने में अहम भूमिका निभाई, जो क्विट इंडिया मूवमेंट के दौरान महत्वपूर्ण था. उन्हें अपनी पूरी यात्रा के दौरान कई बार जेल में डाला गया, कैद किया गया और टॉर्चर भी किया गया लेकिन ब्रिटिश राज के खिलाफ देश की लड़ाई उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया. फिल्म ये वतन मेरे वतन में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि देती है.फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए इमरान ने कहा कि– मैंने पहले कभी स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका नहीं निभाई है, और राम मनोहर लोहिया के रूप में खुद को ढालने का मौका मिलना

एक बेहद सम्मान की बात थी. मैंने कन्नन और दरब के साथ मिलकर काम किया और उनके द्वारा की गई व्यापक रिसर्च को समझने की कोशिश की, लोहिया जी के इतिहास और यात्रा को समझा और उसमें अपना अंदाज जोड़ा. ऐसी कहानी का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है. फिल्म को करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने बनाया है. इसके डायरेक्टर कन्नन अय्यर हैं. फिल्म की कहानी अय्यर और दारब फारूकी ने लिखी हैं. फिल्म में सारा अली खान लीड रोल में हैं, जबकि इमरान हाशमी की गेस्ट अपीयरेंस हैं. इसके अलावा सचिन खेडेकर, अभय वर्मा, स्पर्श श्रीवास्तव, एलेक्स ओ नील और आनंद तिवारी भी अहम भूमिकाओं में हैं. ये फिल्म 21 मार्च को हिंदी में तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी.।

पूजा भट्ट स्टारर बिग गर्ल्स डोंट क्राई का ट्रेलर हुआ रिलीज, गर्ल–पावर पर बेस्ड हैं ये अनोखी सीरीज

प्राइम वीडियो ने आज अपनी आगामी ओरिजिनल हिंदी सीरीज, बिग गर्ल्स डोंट क्राई का ट्रेलर लॉन्च किया. इस सीरीज में अवंतिका वंदनापु (लूडो), अनीत पद्दा (रूही), दलाई (प्लगी), विदुषी (काव्या), लाक्यिला (जे.सी.), अफरा सैयद (नूर), और अक्षिता सूद (दीया) जैसे प्रतिभाशाली सितारे मुख्य भूमिकाएं निभा रहे हैं. इनके साथ पूजा भट्ट, राइमा सेन, जोया हुसैन और मुकुल चड्ढा केंद्रीय भूमिकाओं में हैं.

नित्या मेहरा द्वारा तैयार की गई इस सीरीज का सह–निर्देशन नित्या मेहरा, सुधांशु सरिया, करण कपाडिया और कोपल नैथानी ने किया है. सीरीज में से हर व्यक्ति ने अपने बोर्डिंग स्कूल के अनुभवों के आधार पर कहानी में एक निजी अहसास जोड़ा है. बिग गर्ल्स डोंट क्राई का प्रीमियर 14 मार्च को होने जा रहा है.

ट्रेलर मशहूर वंदना वैली में चल रही बोर्डिंग लाइफ की एक झलक दिखलाता है. वहां सात लड़कियों का एक समूह स्कूल कैंपस पर राज करने के पक्के इरादे से, स्कूल में अपने अंतिम वर्ष की तैयारी कर रहा है. एक बाहरी लड़की काव्या यादव, दोस्त बनाने और शानदार जिंदगी जीने की उम्मीद लेकर कैंपस में दाखिल होती है. नूर की नजरें स्कूल की कप्तानी करने पर टिकी हैं, जबकि लूडो स्पोर्ट्स की कप्तानी हासिल करने के चक्कर में है. रूही और जे.सी. अपने सौंदर्य–व्यवसाय को सफल बनाने में जुटी हुई हैं, तो प्लगी ने खुद की भव्य और विशाल योजनाएं बना रखी हैं. विद्रोही–कवयित्री दीया, क्लास की घंटी बजने से पहले ही स्कूल की दीवार फांद जाने के मंसूबे बांधती है.

वंदना वैली की प्रिंसिपल बनीं पूजा भट्ट का कहना है कि मैंने बिग गर्ल्स डोंट क्राई में काम करने के लिए इसलिए हामी भरी थी कि इसकी कहानी, माहौल और किरदारों ने मुझ पर जादू कर दिया था. अपने मन की बात खुल कर कहने और अधिकारपूर्वक सवाल पूछने से कभी न कतराने वाली एक बागी टीनएजर होने के नाते, मुझे अनीता वर्मा का किरदार निभा कर बड़ा मजा आया. सीरीज में लूडो का किरदार निभा रहीं अवंतिका ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, लूडो जैसी भूमिका निभाने का मौका जिंदगी में कभी–कभार ही मिलता है. जब भी मुझे नित्या मेहरा और आशी दुआ जैसी कमाल की महिलाओं के साथ काम करने और सेट पर साथी लड़कियों के साथ समय गुजारने की याद आती है, तो मैं कृ तज्ञता से भर उठती हूं

आर्टिकल 370 ने दुनिया भर में बनाया रिकार्ड! वर्ल्डवाइड 100 करोड़ के करीब पहुंची फिल्म

आर्टिकल 370 थिएटर्स में अब तक अपना कमाल दिखा रही है. फिल्म 23 फरवरी को थिएटर्स में रिलीज हुई थी और अब तक सिनेमाघरों में अपनी पकड़ बनाए हुए है. यामी गौतम स्टारर ये फिल्म ना सिर्फ भारत में अच्छा कलेक्शन कर रही है बल्कि दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर अपना परचम लहराए हुए है.आर्टिकल 370 में यामी गौतम फुल एक्शन अवतार में दिखाई दी हैं. फिल्म ने जहां 18 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अब तक 65.94 करोड़ रुपए कमाए है तो वहीं वर्ल्डवाइड फिल्म का कलेक्शन अब 100 करोड़ के करीब पहुंच गई है. एक्ट्रेस ने फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन शेयर किया है, जिसके मुताबिक फिल्म ने अब तक कुल 95.23 करोड़ रुपए कमा लिए हैं.बता दें कि अब तक यामी गौतम की चार फिल्मों बाला, उरी द सर्जिकल स्ट्राइक, काबिल और ओएमजी 2 ने वर्ल्डवाइड 100 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया है. आर्टिकल 370 का हालिया कलेक्शन देखकर लगता है कि ये फिल्म 100 करोड़ से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन करने वाली है अगर आर्टिकल 370 दुनिया भर में 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने में कामयाब होती है तो ये यामी गौतम के करियर की पांचवी 100 करोड़ी फिल्म बन सकती हैयामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 साल 2016 में कश्मीर में अशांति की कहानी दिखाती है आतंकवाद और भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए एक टॉप–सीक्रेट मिशन के लिए प्रधान मंत्री ऑफिस से एक यंग फील्ड एजेंट को चुना जाता है यामी गौतम ने इसी एजेंट का किरदार निभाया है आदित्य सुहाष जांभले के डायरेक्शन में बनी फिल्म आर्टिकल 370 में यामी गौतम के अलावा प्रियामणि, अरुण गोविल और दिव्या सेठ भी अहम किरदार में दिखाई दिए है

शैतान का वर्ल्डवाइड ताबड़तोड़ कलेक्शन, तीन दिन में फिल्म ने की बजट से ज्यादा कमाई

अजय देवगन और आर माधवन की थ्रिलर–एक्शन फिल्म शैतान दर्शकों को खूब एंटरटेन कर रही है. फिल्म 8 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और शुरुआत से ही दमदार कमाई कर रही है. शैतान ना सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ऑडियंस की वाहवाही लूट रही है बल्कि वर्ल्डवाइड भी खूब नोट कमा रही है.शैतान ने पहले दिन दुनियाभर में 22.5 करोड़ रुपए की शानदार ओपनिंग की थी. दूसरे दिन फिल्म ने 25.4 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था. वहीं संडे को फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर शानदार बढ़ोतरी मिली और फिल्म ने 27.1 करोड़ का ताबड़तोड़ कलेक्शन किया और अब महज तीन दिनों में फिल्म ने वर्ल्डवाइड कुल 75 करोड़ रुपए कमा लिए हैं.रिपोर्ट्स की मानें तो शैतान का बजट 60–65 करोड़ रुपए है और सिर्फ तीन दिनों के वर्ल्डवाइड कलेक्शन में फिल्म ने अपनी लागत निकाल ली है. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी शैतान अच्छा कारोबार कर रही है. शैतान गुजराती फिल्म वश का रीमेक है. फिल्म को विकास बहल ने डायरेक्ट किया है और खुद अजय देवगन ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म में अजय देवगन और आर माधवन के अलावा ज्योतिका और जानकी बोड़ीवाला लीड रोल में हैं. अजय देवगन इस साल कई फिल्मों के साथ सिनेमाघरों में दस्तक देने वाले हैं. शैतान के बाद एक्टर की फिल्म मैदान भी 23 जून को रिलीज होने के लिए तैयार है. इसके बाद अजय औरों में कहां दम था और रेड 2 में दिखाई देंगे. रेड 2 इसी साल 24 नवंबर को थिएटर्स में दस्तक देगी. इसके अलावा उनके पास रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन भी पाइपलाइन में है. सिंघम अगेन में अजय देवगन के साथ रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और अर्जुन कपूर भी दिखाई देंगे.

बाक्स आफिस पर 10वें दिन लापता लेडीज की कमाई में मामूली बढ़त

किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म लापता लेडीज शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर ठीक–ठाक कमाई कर रही है। 1 मार्च को रिलीज हुई इस फिल्म के निर्माता आमिर खान हैं।फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज का दूसरा सप्ताह चल रहा है और शैतान के दस्तक देने के बाद भी यह अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं।अब लापता लेडीज की कमाई के 10वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसमें मामूली बढ़त देखने को मिली है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, लापता लेडीज ने रिलीज के 10वें दिन 1.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 8.75 करोड़ रुपये हो गया है।टिकट खिड़की पर लापता लेडीज का मुकाबला अजय देवगन की शैतान और यामी गौतम की आर्टिकल 370 से हो रहा है।इनके अलावा शाहिद कपूर और कृति सैनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया भी पिछले चार सप्ताह से बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। लापता लेडीज की कहानी घूंघट की आड़ में 2 नई नवेली दुल्हनों की अदला–बदली पर आधारित है।फिल्म में स्पर्श श्रीवास्तव, नितांशी गोयल और रवि किशन जैसे सितारे मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।टीवी की अभिनेत्री प्रतिभा रांटा ने इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा है। उनकी अदाकारी की खूब प्रशंसा हो रही है।लापता लेडीज सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद जियो सिनेमा पर दस्तक देगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

विश्वक सेन की फिल्म गामी ने दुनिया भर में 20.30 करोड़ से अधिक की कमाई की

विश्वक सेन की अनूठी फिल्म, गामी अपने बजट के बावजूद, बॉक्सऑफिस पर सफल साबित हो रही है। सीमित बजट पर बनी इस फिल्म को इसकी अनोखी कहानी, गैर–रेखीय कथा शैली, शानदार प्रदर्शन और असाधारण तकनीकी और उत्पादन मूल्यों के लिए सर्वसम्मति से चर्चा मिली।गेमी ने अपने तीन दिनों के प्रदर्शन में दुनिया भर में 20.30 करोड़ से अधिक की कमाई की और यह सभी क्षेत्रों में सभी खरीदारों के लिए एक लाभदायक उद्यम बन गया है। जहां फिल्म दो दिन में ही ज्यादातर इलाकों में ब्रेक ईवन के आंकड़े तक पहुंच गई थी, वहीं बाकी इलाकों में तीसरे दिन यह आंकड़ा हासिल कर लिया है। यह फिल्म संयुक्त राज्य अमेरिका में पांच लाख के आंकड़े के करीब है। आलोचकों की सराहना जीतने के अलावा, गामी एक बड़ी व्यावसायिक हिट बन रही है। विद्याधर कगीता, विशाख सेन और अन्य लोगों द्वारा की गई सारी मेहनत का फल बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के उल्लेखनीय प्रदर्शन से मिला। यह फिल्म 7 साल से अधिक समय से बन रही थी और इसकी स्क्रिप्टिंग चरणों के दौरान यह उभरती रहती है। कार्तिक सबरीश ने क्राउड फंडिंग अभियान की मदद से इस फिल्म को वित्त पोषित किया है, जबकि बाद के चरण में वी सेल्युलॉइड्स प्रस्तुतकर्ता के रूप में फिल्म में शामिल हुए।

शिमरी साड़ी में यूं इतराईं जान्हवी कपूर, तस्वीरें देख डोला फैंस का दिल

बी–टाउन की खूबसूरत हसीनाओं में से एक जाह्नवी कपूर हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अक्सर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा देती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर से नजरें नहीं हटा पाते हैं। हाल ही में जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है।अपनी फिल्मों से ज्यादा फिगर और फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर लाइमलाइट में रहने वाली एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी–मानी एक्ट्रेस हैं। वो आए दिन अपनी हॉट एंड बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर फैंस को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं।एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करती हैं तो अक्सर इंटरनेट पर सनसनी मच जाती हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।हालिया फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने ब्लू कलर की शिमरी साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस नजर आ रही हैं। उनका नया लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा गया है।आखों में काजल, ग्लैम मेकअप, कानों में इयररिंग्स और ओपन हेयर कर के एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने इस लुक को बेहद ही खूबसूरती से निखारा है। बता दें कि एक्ट्रेस हर बार अपने नए लुक से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक बोल्ड अंदाज में पोज देते हुए हॉट फोटोशूट करवा रही हैं। एक्ट्रेस की इस अदा पर फैंस फिदा हो गए हैं।एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी इन फोटोज में प्यारी सी स्माइल देती हुई दिखाई दे रही हैं। उनकी इस प्यारी सी स्माइल ने एक बार फिर से फैंस का दिल लूट लिया है। जाह्नवी कपूर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस

श्रीजिता डे ने शैतानी रस्में में डायन का किरदार निभाने पर की खुलकर बात

शैतानी रस्में मे छाया डायन का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस श्रीजिता डे ने शो में अपनी भूमिका पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें सुपरनैचुरल किरदारों से गहरा लगाव है। अपनी भूमिका के बारे में बोलते हुए श्रीजिता ने कहा, मैंने पहले एक चुड़ैल का किरदार निभाया, लेकिन यह पहली बार है कि मैं एक डायन का अवतार ले रही हूं। असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करने की क्षमता के कारण मुझे सुपरनैचुरल नाटकों से गहरा लगाव है। मेरा किरदार असाधारण रूप से मजबूत और 200 साल की उम्र वाली एक महिला का है, जिसकी शक्ति उसकी चोटी में होती है। उतरन फेम एक्ट्रेस ने कहा, उनकी उपस्थिति आकर्षण और मोहक है, जो उनकी मनमोहक सुंदरता के साथ उनके प्रभाव को बढ़ाती है।तैयारियों के बारे में बात करते हुए बिग बॉस 16 की प्रतियोगी ने कहा, एक सुपरनैचुरल शो में डायन या चुड़ैल की भूमिका निभाने के लिए अच्छी तरह से की गई तैयारी बेहद जरूरी है जिसमें खुद को पूरी तरह से डुबोना पड़ता है। एक्ट्रेस ने आगे कहा, इस तरह की भूमिका निभाने के लिए मैंने खुद को पूरी तरह से समर्पित करने के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया। इस किरदार को निभाने के लिए व्यापक तैयारी की गई थी। शैतानी रस्में स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन 14 मार्च को

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। मंगलवार को जिला समाज कल्याण अधिकारी जैसवार लाल बहादुर ने बताया है महाराजा अग्रसेन इण्टर कॉलेज, देवरिया के प्रागण में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन 14 मार्च को पूर्वाह्न 10 बजे से किया जा रहा है।यह योजना समस्त वर्गों हेतु संचालित है। योजना के अन्तर्गत वैवाहिक जोड़े में प्रति जोडा कुल रू0 51000 व्यय होगा, जिसमे रू० 35000 (रु० 40000 विधवा ध्परित्यक्ता तलाकशुदा महिलाओं को) कन्या के बैंक खाते में तथा रू० 10000 गृहस्थी के सामग्री तथा कन्या के वस्त्र आभूषण आदि (रु० 5000 विधवा ध्परित्यक्ता तलाकशुदा महिलाओं के मामले में) दिया जायेगा तथा रू० 6000 भोजन, टेन्ट आदि पर व्यय किया जायेगा।

माह के एक, नौ, सोलह और 24 तारीख को सरकारी अस्पतालों और एफआरयू पर मनाया जाता है प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान दिवस

पीएमएसए डे से अब तक 3248 हाई रिस्क प्रेगनेंसी वाली गर्भवती हो चुकी हैं लाभान्वित

ब्यूरो
अंकित वर्मा

देवरिया। प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान दिवस (पीएमएसएमए डे) गर्भवती के लिए वरदान बन रहे हैं। पीएमएसएमए डे पर अप्रैल 2023 से अब तक जिले की 3248 हाई रिस्क प्रेगनेंसी (उच्च जोखिम गर्भावस्था) वाली महिलाओं को चिन्हित कर सुरक्षित प्रसव कराया गया है। इसके साथ ही ई रुपी बाउचर के माध्यम से 23878 गर्भवती का पैनेल्ड अल्ट्रासॉउन्ड केंद्र पर सरकारी प्रावधानों के माध्यम से अल्ट्रासॉउन्ड भी कराया गया है। सीएमओ डॉ राजेश झा ने बताया कि हर माह की एक, नौ , सोलह और 24 तारीख को सरकारी अस्पतालों और प्रथम संदर्भन इकाई (एफआरयू) केन्द्र पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस (पीएमएसएमए डे) का आयोजन कर गर्भवती को लाभ दिया जाता है। उन्होंने बताया कि पीएमएसएमए डे पर गर्भवती की प्रसव पूर्व जांच जैसे हीमोग्लोबिन, शुगर, यूरिन जांच, ब्लड ग्रुप, एचआईवी, सिफलिस, वजन, ब्लड प्रेशर और अल्ट्रासाउंड सहित अन्य जांचें की जाती हैं। समस्त गर्भवती के गर्भ का द्वितीय एवं तृतीय त्रैमास में कम से कम एक बार स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सक की देख–रेख में स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। टिटनेस डिप्थीरिया का टीका लगाने के साथ साथ आयरन व कैल्शियम सहित अन्य आवश्यक दवाएं भी दी जाती हैं। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान, प्रबंधन एवं सुरक्षित संस्थागत प्रसव के लिए गर्भवती को प्रेरित किया जाता है।सीएमओ डॉ झा ने यह भी बताया कि पीएमएसएमए डे पर ई वाउचर योजना के तहत में शहरी क्षेत्र सहित जिले के 16 अल्ट्रासाउंड केन्द्रों को योजना के पैनल में शामिल किया गया है। यह वाउचर इन्ही सेंटर्स पर वैध माने जाते हैं। सीएमओ ने बताया कि निजी सेंटर्स पर अल्ट्रासॉउन्ड के लिए हजार रुपये तक खर्च हो जाते हैं। इसी वजह से आर्थिक रूप से कमजोर गर्भवती यह जांच नहीं करा पाती हैं, जिससे मातृ शिशु स्वास्थ्य पर खतरे की आशंका होती है। पैनल्ड सेंटर पर ई वाउचर के जरिये सरकारी अस्पतालों के प्रावधानों के अनुसार ही सुविधा दी जाती है। सही इलाज और उचित खानपान से दूर हुई ब्लड की कमी गौरी बाजार ब्लॉक के पथरहट निवासी रुबी मौर्या (23) बताती हैं कि 5 जून 2022 को उनका विवाह सुनील मौर्या से हुआ। पति सुनील मौर्या गुजरात में एक कम्पनी में काम करते हैं । 24 अप्रैल 2023 को गर्भावस्था का पता चला और सिर्फ एक बार उन्होंने सीएचसी पर जांच कराया । जब नौंवा महीना शुरू हो गये तो नौ जनवरी 2024 को सीएचसी गौरी बाजार पर पीएमएसएमए डे पर जांच के लिए गयीं। जांच में चिकित्सक डॉ प्रियंका ने उन्हें बताया कि खान–पान में लापरवाही के कारण आयरन की कमी से वह एनीमिक हो गईं हैं और शरीर में हीमोग्लोबिन 7.2 ग्राम पहुँच गया है। उन्हें कम से कम चार बार प्रसव पूर्व जांच करवाना चाहिए था। उन्होंने पोषक आहार के सेवन और उचित खान–पान की सलाह के साथ आयरन सुक्रोज का इंजेक्शन लगवाने की सलाह दिया। रुबी बताती हैं कि हर एक दिन के अंतराल पर सीएचसी जाकर नर्स मेंटर मिनी पाण्डेय से आयरन सुक्रोज का इंजेक्शन का 6 डोज लगवाया। साथ ही अपने खानपान में दाल, हरी सब्जियां, शलजम और ड्राई फ्रूट जैसे पोषक आहार का सेवन किया । इसके बाद हीमोग्लोबिन 10 ग्राम हो गया। 2 फरवरी 2024 को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन आशा कार्यकर्ता की मदद से सीएचसी गौरीबाजार लेकर गई। वहां रुबी ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। अब रुबी और उनका बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। रुबी ने बताया कि यह उनका पहला बच्चा है।

लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी निभाये मतदाता, जरूर करें मतदान–सीडीओ

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ब्यूरो
अंकित वर्मा

देवरिया। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अशोक इंटर कालेज डूमरी में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सभी लोगों को मतदान करने की शपथ दिलाई गई। सीडीओ प्रत्यूष पांडेय ने कहा कि लोकतंत्र के

महापर्व में प्रत्येक मतदाता अपनी सहभागिता निभाये और मतदान करे। मतदान संविधान प्रदत्त अधिकार है। इसके माध्यम से नागरिक अपने प्रतिनिधियों का चुनाव कर सरकार निर्माण में अपनी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सभी 18 वर्ष के युवा अपना नाम निर्वाचन नामावली मे दर्ज कराते हुए अपनी वोटर आईडी अवश्य बनाये। वोट की ताकत लोकतंत्र की बुनियाद है। निर्वाचन आयोग ने इस वर्ष 75 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य निर्धारित किया है, ऐसे में प्रत्येक मतदाता अपने दायित्वों का निर्वहन करे। एडीआईओएस महेंद्र प्रसाद ने कहा सभी सरकारी विद्यालयो को आधुनिक बनाने की मुहिम चलाई जा रही है। प्रत्येक छात्र–छात्राएं अपने–अपने क्षेत्रों में मतदान के प्रति लोगो को जागरूक करें। उन्होने कहा मतदान हमारा अधिकार है। हमें इसका प्रयोग जरूर करना चाहिये।डीपीओ केके राय ने कहा कि अधिक मतदान से अच्छे जन प्रतिनिधि की सम्भावना बढ जाती है। इस अवसर पर छात्र–छात्राओ द्वारा नुक्कड नाटक के माध्यम से मतदाता जन जागरूकता अभियान से सम्बन्धित प्रस्तुतियां दी गयी। जिसमें शतप्रतिशत अपने मताधिकार का प्रयोग करने की झलक दिखायी गयी। छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से अच्छे नागरीक का चुनाव करके देश के विकास में एक अच्छी पहचान मिल सकें का भी व्याख्यान किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेंद्र नाथ तिवारी, बीडीओ सतीश प्रसाद द्विवेदी, एडीओ पंचायत चंद्रभूषण मणि त्रिपाठी ,सीडीपीओ अजय कुमार, डॉ विनीत कुमार , आशुतोष शर्मा आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय महिला विभूतियों को किया गया सम्मानित

प्रयागराज(आरएनएस)। द्वितीय राष्ट्रीय रचनात्मक महिला पुरस्कार शो में महिलाओं को उनके रचनात्मक कार्यों के लिए हर क्षेत्र में जहां उन्हें कामयाबी मिली, क्रिएटिव विमेंस अवार्ड 2024 से नवाजा गया। कला क्षेत्र से राज्य ललित कला अकादमी उ. प्र. की निदेशक डॉ.श्रद्धा शुक्ला, प्रो.डॉ जूही शुक्ला (प्राचार्या), कलाकार मुक्ता गुप्ता (झारखंड),पद्मश्री डॉ.राज बवेजा (चिकित्सा), डॉ.सरोज ढींगरा (भरत नाट्यम), डॉ मालविका राव (मनोवैज्ञानिक), डॉ.साफिया सुहैल (स्त्री रोग विशेषज्ञ), समीरा फैज (अभियोजन अधिकारी वाराणसी), अदिति डेका पाठक (दृश्यकलाकार, शोध ाकर्ता , गुवाहाटी असम), प्रो. सबीहा आजमी (अंग्रेजी), सनूबर इदरीस, शाहनाज मरियम, सबा बानो और दिल्ली से कश्फी शमआइल (सेलिब्रिटी एंकर), शारदा सिंह, शेख नशरह इस्लाम, अल्पना सरकार, रिजवाना अली, किरण चावला, मरियम तारिक उस्मानी, साजिया रहमान, कैरून निशा शबरी आदि को क्रिएटिव वूमेंस अवार्ड– 2024 से पुरस्कृत व सम्मानित किया गया।

सर्वप्रथम अकादमी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा एवं वरिष्ठ कलाकार तलत महमूद को स्टार गेस्ट के रूप में पुष्पा गुच्छ स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। सभी विभूतियों ने खानम आर्ट गैलरी की निदेशक डॉ.जाहेदा खानम की हृदय से सराहना की।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दो छात्रों की मौत

परिवार में मचा कोहराम

प्रयागराज(आरएनएस)। फूलपुर कोतवाली थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने दो छात्रों को रौंद दिया। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सोमवार को इस दर्दनाक हादसे से घर में कोहराम मच गया। पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फूलपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित अमोलवा गांव के रहने वाले अनुज यादव (14) पुत्र रामसिंह व पड़ोस का रहना वाला अमूल उर्फ अनूप (15) पुत्र आलोक सोमवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे फूलपुर प्रतापपुर मार्ग पर खेत की तरफ जा रहे थे। वे जैसे परिषदीय विद्यालय सरायमनोहर के पास पहुंचे थे इसी बीच फूलपुर से प्रतापपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार वैगनआर कार ने दोनों को रौंद दिया।

हादसे में घायल दोनों छात्रों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक अनुज यादव बच्चाराम यादव इंटर कॉलेज पूरेभुलई में 9वीं कक्षा का छात्र था। वहीं अमूल यादव भी पास के कॉलेज में हाईस्कूल में पढ़ता था। अनुज तीन भाइयों में सबसे छोटा था और अमूल दो भाई व एक बहन में दूसरे नंबर पर था। अमूल के पिता आलोक यादव मुंबई में रहकर कमाई करते हैं। सोमवार को अचानक हुए हादसे में बेटे की मौत की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में जहां कोहराम मच गया, वहीं गांव में मातम छा गया है। उधर हादसे के बाद कार चालक गाड़ी लेकर भागने लगा। ग्रामीणों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया। इंस्पेक्टर फूलपुर दीनदयाल सिंह ने बताया कि चालक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर वैगनआर कार को कब्जे में लेकर पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है।

अर्द्धसैनिक बलों द्वारा क्षेत्र में किया गया पैदल गस्त।

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। जनपद देवरिया में प्राप्त अर्द्धसैनिक बल सीआईएसएफ की कम्पनी द्वारा भाटपाररानी सर्किल अन्तर्गत थाना श्रीरामपुर व थाना बनकटा के संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्ष मय पुलिस टीम के साथ पैदल गस्त करते हुए आम जन मानस में सुरक्षा की भावना उत्पन्न करायी गयी एवं निर्भिक होकर अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग किये जाने हेतु जागरूक किया गया। पैदल गस्त के क्रम में थाना श्रीरामपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम रामपुर प्रतापपुर, चित्रसेन बनकटा, सिकटिया, पड़री, मिश्रौली, हरेराम चौराहा, बंकुल, भवानी छापर, हाटा तथा चकिया कोठी इसी क्रम में थाना बनकटा क्षेत्रान्तर्गत अकटही बाजार, सोहनपुर बाजार, फफेलिया बाजार, रामपुर बुजुर्ग, रतसिया कोठी, अहिरौली बघेल, ब्लाक बनकटा व बंजरिया(बनकटा बाजार) क्षेत्रों में पैदल गस्त किया गया।

इस अवसर पर कम्पनी कमाण्डर सीआईएसएफ श्री नीलमणि मिश्रा प्रभारी निरीक्षक श्रीरामपुर श्री कल्याण सिंह सागर तथा थानाध्यक्ष बनकटा श्री अमित कुमार राय सहित थानें के समस्त पुलिस बल मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित शक्ति रसोई का हुआ शुभारम्भ

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। डूडा द्वारा संचालित दीनदयाल अन्त्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहो की महिलाओं के सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बन के लिए आई०सी०आई०सी०आई फाउण्डेशन के सहयोग से जनपद देवरिया के कलेक्ट्रेट परिसर में शक्ति रसोई की स्थापना की गयी है। शक्ति रसोई का शुभारम्भ जिलाधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह एवं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अल्का सिंह के द्वारा किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रदेश में प्रथम चरण में 15 जिलो में 25 शक्ति रसोई का शुभारम्भ किया गया है। शक्ति रसोई का संचालन किये जाने के लिए उज्जवल स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का चयन किया गया है। शक्ति रसोई में कार्य करने वाली समूह की महिलाओं को संचालन हेतु व्यवहार कुशलता, संचार, लेखा–जोखा एवं बिजनेस प्लान आदि का प्रशिक्षण आई०सी०आई०सी०आई० फाउण्डेशन द्वारा किया गया है। शक्ति रसोई की स्थापना कलेक्ट्रेट परिसर में हो जाने से सभी अगन्तुको को साफ–सुथरा नाश्ता एवं भोजन मिलेगा। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ध परियोजना निदेशक डूडा देवरिया गौरव श्रीवास्तव, जिला सूचना अधिकारी शान्तनु श्रीवास्तव,

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद देवरिया, अंकिता शुक्ला, जिला नगरीय विकास अभिकरण डूडा देवरिया के शहर मिशन प्रबन्धक, अनूप चन्द्र शुक्ला एवं समस्त स्टाफ तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी उपस्थित रहे।

भाभी के साथ सिविल लाइंस घूमने आई ननद प्रेमी के साथ हुई फुर्र

प्रयागराज(आरएनएस)। मऊआइमा से अपनी भाभी के साथ सिविल लाइंस घूमने आई एक युवती रहस्यमय परिस्थिति में गायब हो गई। युवती की भाभी ने सिविल लाइंस में अपहरण का केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि वह अपने प्रेमी के साथ भागी थी। पुलिस ने युवती को बरामद कर लिया है।

मऊआइमा की युवती अपनी ननद के साथ दवा लेने सिविल लाइंस आई थी। युवती ने अपनी भाभी से कहा कि वह मंदिर घूम कर आती है। इसके बाद से उसका पता नहीं चला। इस बीच एक अंजान नंबर से कॉल करके एक युवक ने कहा कि युवती उसके पास है। उसने होलागढ़ मिलने के लिए बुलाया। परेशान महिला ने सिविल लाइंस में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने युवती को बरामद कर लिया। पुलिस का कहना है कि उसका मेडिकल और बयान के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रोहित यादव बने समाजवादी अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव

प्रयागराज(आरएनएस)। फाफामऊ निवासी अधिवक्ता रोहित यादव को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की अनुमति से समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा के प्रदेश अध्यक्ष सिकन्दर यादव ने प्रदेश अधिवक्ता सभा में सचिव नामित किया। रोहित फाफामऊ इस से पहले युवजन सभा में महानगर महासचिव के पद पर रहकर कार्य कर रहे थे।

महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तेखार हुसैन, नगर महासचिव रवीन्द्र यादव रवि, जय भारत, अमित यादव, आशीष पाण्डेय , अमित श्रीवास्तव ,सौरभ यादव, राजेश शर्मा, राहुल पटेल, आलोक द्वबे , वीरेंद्र यादव, अरविंद द्वबे, जसकरन यादव, नागेन्द्र यादव आदि ने युवा व संघर्षशील तथा समाजवादी पार्टी का हमेशा झण्डा बुलन्द रखने वाले रोहित यादव को अधिवक्ता सभा प्रदेश कमेटी में सचिव पद पर मनोनीत किए जाने पर बधाई देते मुंह मीठा कराया।

प्रिंट मीडिया एवं विकसित भारत / 2047 विषय पर प्रपत्र वाचन आयोजित

जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज में आयोजित हुई अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता

प्रयागराज(आरएनएस)। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग द्वारा षविकसित भारत / 2047 के परिपेक्ष्य में राष्ट्र निर्माण हेतु प्रिंट मीडिया की भूमिकाष विषय पर अंतर महाविद्यालयी प्रतियोगिता का अयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ उप प्राचार्या डॉ दीपशिखा बनर्जी के स्वागत भाषण से हुआ। तत्पश्चात कार्यक्रम के समन्वयक डॉ अनुज कुमार वर्मा ने प्रतियोगिता के विषय की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आर्य कन्या डिग्री कॉलेज, एस एस खन्ना डिग्री कॉलेज, ईश्वर सरन डिग्री कॉलेज, सी एम पी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार एस एस खन्ना डिग्री कॉलेज की दिव्यांशी श्रीवास्तव, द्वितीय पुरस्कार जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज की मुस्कान सिंह, तृतीय पुरस्कार आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की आकांक्षा पांडेय को मिला। एस एस खन्ना डिग्री कॉलेज की अर्पिता कुमारी, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की शगुन वर्मा व जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज प्रतिभा बिंद को सांत्वना पुरस्कार मिला। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्राचीन इतिहास विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुषमा श्रीवास्तव, अर्थशास्त्र विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ शिखा दीक्षित तथा राजनीतिशास्त्र विभाग की डॉ कस्तूरी भारद्वाज ने निभाई। कार्यक्रम में संचालक की भूमिका शिखा वर्मा तथा ज्योत्सना तिवारी ने निभाई। कार्यक्रम के अंत मेंधन्यवाद ज्ञापन डॉ शालिनी सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ ऐश्वर्य सिंह आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे।

प्रयागराज से गोरखपुर के लिए वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ

पीएम ने अहमदाबाद से दिखाई वर्चुअल झंडी

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज जंक्शन पर आयोजित प्रयागराज से गोरखपुर के लिए वंदे भारत ट्रेन का आज उद्घाटन हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ट्रेन को अहमदाबाद से वर्चुअल झंडी दिखाई। प्रयागराज जंक्शन पर आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सांसद केशरी देवी पटेल, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, एमएलसी निर्मला पासवान आदि ने ट्रेन के यात्रियों का हाथ मिलाकर अभिवादन

किया। ट्रेन की रवानगी के दौरान यहां मंत्रोच्चार भी हुआ और वेद बटुको ने शंख भी बजाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 85,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज भी विकसित भारत की दिशा में देश ने एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। इस कार्यक्रम में आज यहां एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ है।

प्रधानमंत्री आवास मिशन पर मुक्त विश्वविद्यालय में कार्यशाला आज

प्रयागराज(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित लघु शोध परियोजना प्राइम मिनिस्टर हाउसिंग फॉर ऑल मिशनरू ए स्टडी ऑफ परफॉर्मेंस एंड इंपैक्ट ऑन बेनिफिसियरीज इन सैलेक्टेड सिटीज इन उत्तर प्रदेश विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 13 मार्च को पूर्वाह्न 10रू00 बजे सुनिश्चित किया गया है। कार्यशाला के संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रोफेसर रिपू सूदन सिंह, राजनीति शास्त्र विभाग, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। कार्यशाला का समापन अपराह्न 3रू00 बजे होगा। जिसके मुख्य वक्ता प्रोफेसर मधुरेन्द्र कुमार, दीनदयाल उपाध्याय पीठ, इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज होंगे तथा अध्यक्षता प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज करेंगे। आयोजन सचिव डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने सभी छात्रों से उक्त कार्यशाला में उपस्थित रहने की अपील की है।

महाकवि निराला एवं डा जगदीश गुप्त को समर्पित होगा 20 मार्च को अखिल भारतीय हास्य कवि संगम

प्रयागराज(आरएनएस)। अखिल भारतीय हास्य कवि संगम निराला चौराहे के समीप दारागंज,प्रयागराज में दिनांक 20 मार्च को आयोजित है। इस बार का कवि सम्मेलन महाकवि निराला एवं आधुनिक कविता के जनक डॉ जगदीश गुप्त को समर्पित होगा। उक्त बातें कार्यक्रम के आयोजक संयोजक राजेश निषाद पार्षद ने कहा। उन्होंने बताया कि इस बार दिल्ली से सुनहरी लाल तुरंत, हास्य कवि, विकास बौखल, बाराबंकी,, डंडा बनारसी, शशि श्रेया, लखनऊ, नर कंकाल, रायबरेली, प्रियंका शुक्ला, उन्नाव, अखिलेश द्विवेदी, प्रयागराज, प्रख्यात गीतकार शैलेंद्र मधुर, अमित जौनपुरी योगेश झमाझम सहित अन्य रचनाकार अपनी कविताओं से श्रोताओं को आह्लादित करेंगे। कवि सम्मेलन का संचालन प्रख्यात उद्घोषिका कवित्री डॉक्टर आभा श्रीवास्तव मधुर जी करेंगी।

रामलला के दर्शन के लिए भाजपा कार्यकर्ता पहुंचे अयोध्या धाम

प्रयागराज(आरएनएस)। भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा के नेतृत्व श्री राम जन्मभूमि मंदिर दर्शन यात्रा के अंतर्गत प्रयागराज से हजारों कार्यकर्ता रामलला के दर्शन हेतु अयोध्या पहुंचे। कार्यक्रम के संयोजक नवीन शुक्ला ने बताया कि प्रशासन की घोर लापरवाही के कारण सैकड़ों कार्यकर्ताअयोध्या धाम नहीं जा पाए जिसको लेकर कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश रहा। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि 110 बस 155 निजी वाहनों के साथ 5842 कार्यकर्ता रजिस्ट्रेशन के साथ पहुंचे और जय श्री राम का नारा लगाते हुए रामलला का दर्शन किया।

केरल की घटना की गूंज इलाहाबाद विश्वविद्यालय में

प्रयागराज(आरएनएस)। वायनाड के केरल में पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन स्नातक द्वितीय वर्ष के छात्र सिद्धार्थ जेएस की मौत पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ताओं ने एसएफआई के खिलाफ इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रसंघ भवन पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन का पुतला दहन किया गया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।